संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 200
पृष्ठ 8
शुक्रवार
10 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बिना चोट के भी हर वक्त बॉडी..

विचार- 20 करोड़ भूखे पेट, 8 करोड़ टन...

खेल- मिलर की एक गलती पड़ी भारी...

बंगाल में प्रधानमंत्री मोदी ने दी छह गारंटी

सबका साथ, सबका विकास और लुटेरों का हिसाब होगा बीजेपी का नया नारा

हल्दिया,एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज राज्य में तीन बड़ी चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य सरकार पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह चुनाव सामान्य नहीं, बल्कि बंगाल के गौरव को फिर से स्थापित करने का चुनाव है। पीएम ने कहा कि बंगाल की जनता इस बार के चुनाव में ममता सरकार को हटाने वाली है। पीएम मोदी ने सबका साथ, सबका विकास नारे को दोहराते हुए कहा कि सबका हिसाब लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह

चुनाव विकसित बंगाल की मजबूत नींव रखने का चुनाव है और इसका पहला तथा सबसे अहम कदम इस निर्दयी सरकार को सत्ता से बाहर करना होगा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर राज्य के विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने देश की आर्थिक प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि जहां देश के कई राज्य विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं, वहीं टीएमसी की सरकार बंगाल को पीछे धकेल रही है। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में मतदाताओं से बदलाव का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य को विकास के रास्ते पर लाने के लिए निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है। साथ ही प्रधानमंत्री ने भाजपा सरकार की छह गारंटियों को बताया।पीएम मोदी ने कई मुद्दों को लेकर ममता सरकार को घेरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल में मत्स्य पालन और सी-फूड के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बावजूद राज्य आज भी मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं बन पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारी मांग के बावजूद बंगाल को अपनी जरूरतों के लिए दूसरे राज्यों से मछली आयात करनी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि 15 साल सत्ता में रहने के बाद भी टीएमसी सरकार आपको मछली जैसी बुनियादी चीज भी उपलब्ध नहीं करा पाई। यह उनकी गलत नीतियों का स्पष्ट उदाहरण है।पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत का कुल मछली उत्पादन और समुद्री निर्यात दोगुना हुआ है, लेकिन बंगाल में टीएमसी सरकार के कारण यह प्रगति नहीं हो पाई। युवाओं के मुद्दे पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी सरकार ने राज्य के युवाओं के साथ दोहरा विश्वासघात किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सीमित हैं और जहां नौकरियां हैं, वहां भी बाहरी घुसपैठियों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार है और उन्हें टीएमसी के मंत्रियों द्वारा लूटा जा रहा है। औद्योगिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एक समय हल्दिया जैसे इलाकों में देशभर से लोग काम करने आते थे, लेकिन अब यहां के युवा रोजगार की तलाश में अंडमान, ओडिशा और अन्य राज्यों की ओर पलायन कर रहे हैं।

बुनकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि बुनकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण आधार हैं और उनकी आय, सम्मान व आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बुनकरों की समस्याओं के समाधान के लिए क्लस्टर आधारित समन्वित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को हथकरघा विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनकरों को कच्चे माल की बढ़ती लागत, आधुनिक डिजाइन व तकनीक की कमी और सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन समस्याओं के समाधान के लिए योजनागत सहायता के साथ एक मजबूत और परिणामोन्मुख तंत्र विकसित करना आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में करीब 1.99 लाख बुनकर कार्यरत हैं और देश में उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में छठे स्थान पर है। कालीन, दरी व मैट उत्पादन में प्रदेश अग्रणी है, जबकि बेडशीट, फर्निशिंग व ब्लैंकेट के उत्पादन में भी राज्य की महत्वपूर्ण भागीदारी है। वर्ष 2024-25 में देश के कुल हथकरघा निर्यात 1178.93 करोड़ रुपये में प्रदेश का योगदान 109.40 करोड़ रुपये रहा, जो लगभग 9.27 प्रतिशत है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बुनकर बहुल क्षेत्रों की पहचान कर वहां क्लस्टर विकसित किए जाएं, ताकि उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन को एकीकृत किया जा सके। उन्होंने कहा कि क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर वैल्यू चेन मॉडल पर विकसित हों, जिसमें डिजाइन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच शामिल हो। उन्होंने प्रत्येक क्लस्टर में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित करने तथा उन्हें आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरण और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने पर जोर दिया। इससे उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी। योगी ने डिजाइन व विपणन को सुदृढ़ बनाने के लिए डिजाइनर-कम-मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव और डिजाइन हाउस,सोर्सिंग-बाइंग एजेंसी, एक्सपोर्ट हाउस जैसी व्यवस्थाओं को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। साथ ही, डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स और ब्रांडिंग के माध्यम से बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने पर बल दिया।

जेआईटीओ के मंच से अमित शाह का बड़ा बयान

युद्धकाल में नवकार मंत्र का जाप बेहद उपयुक्त

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 9 अप्रैल को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में जैन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन द्वारा आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने आध्यात्मिक पहल की प्रशंसा की और वैश्विक संघर्षों के बीच शांति और एकता के महत्व पर जोर दिया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मैं JITO को बधाई देना चाहता हूँ कि उन्होंने 9 अप्रैल को यहाँ से विश्व कल्याण के लिए शांतिपूर्ण नवकार मंत्र का जाप किया, विशेषकर ऐसे समय में जब पूरा विश्व एक-दूसरे पर अपनी इच्छा थोपने के लिए युद्ध पर तुला हुआ है। यह वास्तव में अत्यंत उपयुक्त है। इस कार्यक्रम में जैन समुदाय के सदस्य और आध्यात्मिक नेता एकजुट हुए और सद्भाव, अहिंसा और सामूहिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि बढ़ते तनाव और संघर्षों से भरे वर्तमान भू-राजनीतिक वातावरण को देखते हुए ऐसे आध्यात्मिक प्रयास विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। इससे पहले उसी दिन, शाह ने सीआरपीएफ वीरता दिवस पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी बहादुरी और बलिदान को याद किया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा, ष्सीआरपीएफ वीरता दिवस पर हमारे बहादुर जवानों के अदम्य साहस और बलिदान को सलाम। शाह ने कच्छ के रण में सरदार पोस्ट पर 1965 में हुए ऐतिहासिक युद्ध को याद करते हुए कहा कि 1965 में इसी दिन, सीआरपीएफ के निडर योद्धा एक अभेद्य दीवार की तरह खड़े रहे... दुश्मन के आक्रमण को कुचलते हुए भारत के इतिहास में वीरता का एक गौरवशाली अध्याय लिखा। उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा, इस सप्ताह की शुरुआत में शाह ने असम में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए भाजपा के फिर से सरकार बनाने का विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि यदि पार्टी सत्ता में आती है तो पहली कैबिनेट बैठक में समान नागरिक संहिता लागू करने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

दिल्ली विधानसभा और सचिवालय को मिली बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप

नयी दिल्ली,एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में गुरुवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब दिल्ली विधानसभा, सचिवालय और कुछ स्कूलों को बम से उड़ाने वाला एक धमकी भरा ईमेल मिला। इसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां चप्पे-चप्पे की तलाशी में जुट गईं। हालांकि इससे पहले भी दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आज सुबह लगभग 8.14 बजे ई- मेल प्राप्त हुआ। इसमें दावा किया गया था कि विधानसभा परिसर, सचिवालय, चुनिंदा स्कूलों और एक मेट्रो स्टेशन पर अलग-अलग समय पर विस्फोट किए जाएंगे। ईमेल की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इसे हल्के में नहीं लिया और तुरंत सुरक्षा शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस के साथ बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड की कई टीमें मौके पर पहुंच गईं।

सेना प्रमुख बोले-

ऑपरेशन सिंदूर ने संयुक्त कार्रवाई के महत्व को बताया

नई दिल्ली,एजेंसी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने डोमेन जॉइंटनेस की दिशा में भारत की प्रगति को दिखाया है। इस सैन्य अभियान को एकीकरण के परिचालन महत्व का निर्णायक केस स्टडी बताया। पिछले साल मई में, भारत ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी लॉन्चपैड को निशाना बनाते हुए सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। पहलगाम हमले में 26 भारतीय पर्यटक मारे गए थे। जनरल द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर, विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्तता की दिशा में भारत की प्रगति का सबसे शक्तिशाली साधन था। लेकिन हमें विभिन्न क्षेत्रों का एकीकरण और विलय हासिल करना होगा। दरअसल, वह यहां रण संवाद मंच पर थल सेना द्वारा

बहु-क्षेत्रीय संचालन (एमडीओ) का दृय-विश्लेषण विषय पर संबोधित कर रहे थे। सेना प्रमुख ने कहा कि एमडीओ के बारे में उनकी कल्पना छह डोमेन के समानांतर संचालन की नहीं है, बल्कि उन सभी की निरंतर गतिशील बातचीत की है, जहां भार बदलता है और नेतृत्व में परिवर्तन होता है। सेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक युद्ध अब भौगोलिक सीमाओं या किसी एक सेना के प्रभुत्व तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों, हितधारकों और संघर्ष के स्तरों में निरंतर क्रिया द्वारा परिभाषित होता है। उन्होंने कहा, ष्हम अपने समय के एक बिखरे हुए, अघोषित, बहु-मोर्चे वाले, बहु-क्षेत्रीय युद्ध का सामना कर रहे हैं। सवाल यह नहीं है कि क्या क्षेत्र आपस में परस्पर क्रिया करते हैं, बल्कि यह है कि युद्ध क्षेत्र में यह परस्पर क्रिया किस प्रकार संचालित होती है। इसके साथ ही जनरल द्विवेदी ने स्थलीय क्षेत्र और स्थलीय बलों के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए समझाया कि जहां पहला परिचालन क्षेत्र को संदर्भित करता है। वहीं दूसरा उन सभी छह क्षेत्रों – भूमि, वायु, समुद्री, साइबर, अंतरिक्ष और संज्ञानात्मक को शामिल करता है जो एक साझा वातावरण में काम करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये क्षेत्र अब पृथक नहीं हैं बल्कि गतिशील तालमेल के माध्यम से काम करते हैं। उन्होंने कहा, एमडीओ में, युद्धक्षेत्र अब मानचित्र पर खींची गई एक रेखा मात्र नहीं है।

यह एक 3डी परिदृश्य है – साइबर प्रभाव संज्ञानात्मक स्थान को आकार देते हैं। अंतरिक्षीय संसाधन लक्ष्यों को संकेत देते हैं। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध एक साथ हर आवृत्ति का मुकाबला करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कमांडरों को सामरिक से लेकर रणनीतिक स्तर तक, विभिन्न क्षेत्रों में स्थितिजन्य जागरूकता विकसित करनी चाहिए।

समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य : डॉ. मोहन भागवत

नागपुर,एजेंसी। रेशीमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृतिमंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नागपुर महानगर के घोष पथक के इतिहास पर आधारित 'राष्ट्र स्वराधना' नामक हस्तलिखित ग्रंथ के लोकार्पण अवसर पर सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के घोषदल में विभिन्न वाद्य यंत्र होते हैं, जिनके स्वर और ध्वनि अलग-अलग होते हुए भी स्वयंसेवक एक ही ताल पर चलते हैं। इससे समन्वय और एकता की भावना विकसित होती है। जब कोई कार्य मन से और पूरी निष्ठा के साथ किया जाता है, तो उसका परिणाम इसी रूप में प्रकट होता है और सत्यम-शिवम-सुंदरम का अनुभव होता है। समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य है। इस अवसर पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक जी तामशेट्टीवार, सह संघचालक श्रीधरजी गाडगे, महानगर संघचालक राजेश जी लोया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नागपुर महानगर घोष वादकोंने विभिन्न रचनाएँ एवम प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किए । सरसंघचालक जी ने कहा कि संघ के सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य संस्कारों का निर्माण करना है। सुदृढ़ शरीर और संस्कारित मन के समन्वय से गुणवत्तापूर्ण जीवन की दिशा में आगे बढ़ना ही लक्ष्य है। इस दृष्टि से 'राष्ट्र स्वराधना' का हस्तलिखित इतिहास अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय बीत जाता है, कार्य खड़ा हो जाता है, परंतु जो मौलिक गुणवत्ता

शुरुआत में थी, उसे अंत तक बनाए रखना यह महत्वपूर्ण बात है। हमने कार्य विकट परिस्थिति में कैसे खड़ा किया और किस उद्देश्य से किया, इसका सदैव स्मरण यह हस्तलिखित ग्रंथ देने वाला है। स्वयंसेवक पेशेवर गायक या वादक न होते हुए भी, अपने दैनिक कार्यों को संभालते हुए, बिना सामने कागज रखे इतनी सारी रचनाएँ कैसे प्रस्तुत कर लेते हैं – इस पर लोगों को आश्चर्य होता है। परंतु चमत्कार करना संघ का उद्देश्य नहीं होता, वह तो स्वयं घटित हो जाता है। पूर्व स्वयंसेवकों के सद्गुण इन रचनाओं में मिलते हैं और दिखाई देते हैं। भाव तभी उत्पन्न होता है, जब वादक मनःपूर्वक वादन करता है। इसे केवल एक कर्तव्य नहीं, बल्कि अंतरात्मा से जुड़ी बात समझकर करना चाहिए। संघ का उद्देश्य अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराना नहीं है, क्योंकि इस सौ वर्षों की यात्रा का श्रेय जनता, समाज और देश को जाता है। समाज को संगठित करने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उन्होंने अधिक संगठित और व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि संघ का कार्य किसी की कृपा से आगे नहीं बढ़ा और न ही किसी की अवकृपा से रुका है। यह स्वयंसेवकों के परिश्रम से साकार हुआ है। संघ को अपना मानकर संघ के विचार के अनुसार राष्ट्र का स्वरूप खड़ा करने में सभी स्वयंसेवकों ने अपनी पूरी शक्ति लगा दी, इसीलिए संघ आज देश को दिशा दर्शन करने वाली शक्ति का रूप लेकर खड़ा है।

राहुल गांधी ने सीएपीएफ बिल को लेकर सरकार पर साधा निशाना, कहा, हमारी सरकार आई तो न्याय होगा

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद से हाल ही में पारित किए गए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) से संबंधित विधेयक का हवाला देते हुए वीरवार को कहा कि केंद्र में उनकी पार्टी की सरकार आते ही इस भेदभावपूर्ण व्यवस्था को समाप्त कर सीएपीएफ जवानों को उनका पूरा अधिकार दिया जाएगा। उन्होंने सीआरपीएफ शौर्य दिवस के मौके पर एक संदेश में यह भी कहा कि यह जरूरी है कि सीएपीएफ बलों का नेतृत्व उसी सिस्टम से आने वाले लोग करें जो उनकी चुनौतियों और जरूरतों को सही मायनों में समझते हों। संसद ने वर्तमान बजट सत्र में पिछले सप्ताह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी थी। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने इस विधेयक के संबंध में विपक्ष की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि यह सीएपीएफ के किसी भी वर्ग के अहित में नहीं है और यह बलों को अधिक सशक्त बनाने में सहायक होगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने राहुल गांधी ने वीरवार को एक्स पर पोस्ट किया, सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर इस बल के हमारे साहसी और वीर जवानों को हार्दिक बधाई और सादर नमन। आपका साहस और बलिदान हर दिन हमारे देश की रक्षा करता है। आप सीमाओं पर तैनात रहकर देश को सुरक्षित रखते हैं, आतंकवाद और नक्सलवाद से लोहा लेते हैं, और लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव, चुनावों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने कहा, सच्ची श्रद्धांजलि केवल शब्दों से नहीं होती। वर्षों के त्याग, तपस्या और सेवा के बावजूद सीएपीएफ जवानों को न तो समय पर पदोन्नति मिलती है, न ही अपने ही बल का नेतृत्व करने का अधिकार, क्योंकि शीर्ष पद बल से बाहर के लोगों के लिए आरक्षित हैं। उनका कहना है कि सीएपीएफ के जवान विशेष प्रशिक्षण, जमीनी अनुभव और गहरी रणनीतिक समझ रखते

हैं, इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से भी यह जरूरी है कि इन बलों का नेतृत्व उसी सिस्टम से आने वाले लोग करें, जो उनकी चुनौतियों और जरूरतों को सही मायनों में समझते हों। राहुल गांधी ने कहा, नेतृत्व के अवसरों से वंचित रखने से लेकर वेतन, कल्याण और सम्मान से जुड़े, लंबे समय से लंबित मुद्दों तक – यह संस्थागत अन्याय उन जवानों के मनोबल को ठेस पहुंचाता है।

ड्यूटी पर तैनात नौसेना के जवान को पुलिस ने बनाया आरोपी, हैरान हाईकोर्ट ने पुलिस से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिकंदराबाद में तैनात नौसेना के जवान को दंगे और मारपीट के मामले में आरोपी बनाए जाने पर बुलंदशहर पुलिस से जवाब तलब किया है। पूछा है कि ड्यूटी पर तैनात जवान की घटनास्थल पर मौजूदगी कैसे संभव है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सिकंदराबाद में तैनात नौसेना के जवान को दंगे और मारपीट के मामले में आरोपी बनाए जाने पर बुलंदशहर पुलिस से जवाब तलब किया है। पूछा है कि ड्यूटी पर तैनात जवान की घटनास्थल पर मौजूदगी कैसे संभव है।

यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर, न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने सतीश सोलंकी व अन्य सात की याचिका पर दिया है। कोर्ट ने नौसेना के जवान अंशुल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी, जबकि अन्य आरोपियों को राहत देने से इन्कार कर दिया। मामला बुलंदशहर के खुर्जा थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने दो दिसंबर को मारपीट की घटना में सतीश सोलंकी और उनके साथियों के साथ नौसेना के जवान अंशुल को भी नामजद कर दिया। सभी आरोपियों ने गिरफ्तारी पर रोक लगाने व एफआईआर रद्द करने की मांग के साथ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अधिवक्ता ने दलील दी कि याची अंशुल सिकंदराबाद में भारतीय नौसेना का जवान है। ड्यूटी रोस्टर के मुताबिक 28 नवंबर 2025 तक अंशुल यूनिट में ड्यूटी पर तैनात था। कोर्ट ने हैरानी जताते हुए कहा कि जब तक इस तथ्य के विपरीत कोई तथ्य साबित नहीं किया जाता, तब तक यह माना जाएगा कि नौसेना का जवान बिना स्वीकृत अवकाश के अपनी पोस्टिंग नहीं छोड़ सकता। ऐसे में घटनास्थल पर उसकी उपस्थिति संदेहास्पद है।

राहुल गांधी के बयान मामले में याचिका पर फैसला सुरक्षित, संभल की ट्रायल कोर्ट ने कर दिया था खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक बयान को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर लिया। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की एकल पीठ ने सिमरन गुप्ता की याचिका पर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी

के एक बयान को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर लिया। यह आदेश न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की एकल पीठ ने सिमरन गुप्ता की याचिका पर दिया। मामला 15 जनवरी 2025 को नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन के उद्घाटन के दौरान दिए गए राहुल गांधी के बयान से जुड़ा है। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि हमारी लड़ाई आरएसएस, बीजेपी के साथ–साथ भारतीय राज्य से भी है। सिमरन गुप्ता ने इस बयान को लेकर संभल की चंदौसी अदालत के पूर्व आदेश को चुनौती दी है। इससे पहले सात नवंबर 2025 को चंदौसी की अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ दायर याचिका को कमजोर बता खारिज कर दिया था। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि संभल के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने क्षेत्राधिकार के आधार पर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था, जिसके खिलाफ पुनरीक्षण याचिका दायर की गई थी।

मेजा में टूटे बिजली के कई पोल, 24 घंटे बाधित रही बिजली आपूर्ति

प्रयागराज। मंगलवार रात में आंधी–तूफान के साथ हुई बारिश से बिजली के कई पोल टूट गए। जिससे चार दर्जन से अधिक गांवों में 24 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। एसडीओ सुरजीत कुमार का दावा है कि 90 फीसदी जगहों पर समस्या को दूर कर बिजली आपूर्ति बहाल करा दी गई है। बता दें कि आंधी–तूफान से शुक्लपुर, बरी, बरहा कला, लालतारा में पेड़ गिरने से आधा दर्जन विद्युत पोल टूट गए। औंता में भी दो स्थानों पर बिजली के पोल टूट गए थे। वहीं मनूकापूरा में भी पोल टूटने से बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी। एसडीओ सुरजीत कुमार ने कहा कि आंधी–तूफान से कई जगहों पर पेड़ गिरने से बिजली के पोल टूट गए थे। मरम्मतीकरण के बाद कई जगहों की बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। बुधवार देर रात तक सारी समस्या दूर कर ली जाएगी।

मायके में पेड़ पर फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

प्रयागराज। गौरा गांव स्थित मायके आई विवाहिता का शव घर के पीछे स्थित आम के पेड़ पर साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला। सुबह परिजनों को जानकारी हुई तो वह बेसुध हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों से पूछताछ की मनीषा देवी (26) पत्नी संदीप कुमार की शादी सोरांव में हुई थी। मनीषा कुछ दिन पहले ही अपने मायके गौरा थाना कौंधियारा आई थी। बुधवार सुबह उसका शव पेड़ पर साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला था। मृतका की मां सुबेधा सुबह उठकर घर के पीछे गई तो मनीषा का शव पेड़ से लटका था। शोर मचाने पर आसपास के लोग जुट गए। पिता इंद्रभान बिंद, भाई प्रेमचंद्र ने शव को नीचे उतारा और पुलिस को जानकारी दी। मनीषा का एक दो वर्षीय बेटा पार्थ भी है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। थाना प्रभारी कौंधियारा कुलदीप शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिजनों ने किसी के खिलाफ तहरीर नहीं दी है।

कुत्ते नोचते रहे नवजात का शव, तमाशबीन बने रहे लोग, मानवता हुई शर्मसार

प्रयागराज। भरवारी थाना क्षेत्र के खटका गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक नवजात बालक का शव आवारा अवारा कुत्ते नोच कर खा रहे थे। इंसानियत को झकझोर देने वाली इस घटना में लोगों की संवेदनहीनता भी उजागर हुई। भरवारी थाना क्षेत्र के खटका गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक नवजात बालक का शव आवारा अवारा कुत्ते नोच कर खा रहे थे। इंसानियत को झकझोर देने वाली इस घटना में लोगों की संवेदनहीनता भी उजागर हुई।

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या मामले में अतीक के करीबियों पर एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या के मामले में एक बार फिर माफिया अतीक अहमद के करीबियों का नाम सामने आया है। पुलिस ने अतीक के करीबी रहे सगे भाइयों पर एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। माफिया की मौत भले ही हो गई हो लेकिन उसके करीबियों का आतंक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। प्रॉपर्टी डीलर की हत्या में अतीक के गुर्गों का नाम सामने आने पर लोगों में फिर दहशत पैदा हो गई है।

प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान के बड़े बेटे मोहम्मद आमिर ने करेली थाने में अतीक अहमद के करीबी चकिया के रहने वाले आसिफ दुर्रानी व उसके भाई राशिद समेत अज्ञात के खिलाफ देर रात हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। आरोप है कि उक्त लोग पिता इरफान के साथ मिलकर पूर्व में जमीन की खरीद–फरोख्त का कारोबार करते थे। जमीन को लेकर इनका आपस में कई बार विवाद हो हुआ था, इसलिए इरफान की हत्या कराई गई है।

पुलिस जांच में पता चला कि आसिफ दुर्रानी के खिलाफ धूमनगंज थाने में भी कई एफआईआर दर्ज हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस देर रात तक दबिश देती रही, लेकिन किसी को भी पकड़ा नहीं जा सका। करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि आरोपी आसिफ की गिरफ्तारी के बाद ही मामले का खुलासा होगा।

गोली मारने के बाद अंधीपुर की तरफ भागे बदमाश

पुलिस जांच में सामने आया कि बाइक सवार बदमाश इरफान को गोली मारने के बाद अंधीपुर की तरफ भागे थे। वहीं, चर्चा रही कि इरफान अतीक अहमद के भाई अशरफ का गनर रह था। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

दोस्तों व करीबियों पर शक, उठाए गए कई संदिग्ध

प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की हत्या के मामले में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। पुलिस का शक इरफान के दोस्तों व करीबियों पर गहरा गया है। ऐसे में पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इरफान की दिनचर्या, उनके संपर्क और हाल के विवादों की गहन पड़ताल की गई तो सामने आया कि इरफान का कुछ लोगों से प्रॉपर्टी के साथ ही लेनदेन और व्यक्तिगत विवाद चल रहा था। इसी आधार पर पुलिस ने उनके करीबी लोगों की भूमिका को भी संदेह के दायरे में लिया है।

आरोपी

पुलिस ने ऐसे कई लोगों को उठाया है, जो इरफान के साथ नियमित संपर्क में थे। इनसे पूछताछ कर यह जानने का प्रयास किया गया कि वारदात के पीछे किसका हाथ है। वहीं, पुलिस का मानना है कि वारदात को जिस सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया, उसमें किसी जानकार व्यक्ति की भूमिका हो सकती है। इसी कारण जांच का फोकस अब इरफान के नजदीकी लोगों पर भी केंद्रित कर दिया गया है। बहरहाल, पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। बृहस्पतिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

पुलिस ने खंगाले 30 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे, दिखे संदिग्ध

प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद इरफान की हत्या के मामले में पुलिस आरोपियों तक पहुंचने के लिए देर रात तक कैमरों को खंगालती रही। इस दौरान एक फुटेज में आरोपी दिखे भी, लेकिन उनकी स्पष्ट पहचान नहीं हो सकी है। बदमाशों की पहचान के लिए पुलिस ने आसपास के 30 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले हैं पर इनमें उनका चेहरा साफ नहीं है। पुलिस के मुताबिक, नकाबपोश बदमाश वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए।

कई सीसीटीवी फुटेज में बाइक सवार संदिग्ध नजर आए हैं, लेकिन उनकी पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटनास्थल से लेकर आसपास के मुख्य मार्गों व चौराहों पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली है। इसके अलावा, संदिग्धों के भागने के संभावित रास्तों की भी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों के साथ–साथ मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। उधर, घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं, वहीं पुलिस ने गश्त बढ़ाकर स्थिति को नियंत्रित किया। डीसीपी ने बताया कि मामले के खुलासे के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। सर्विलांस सेल की भी मदद ली जा रही है।

अदालती कार्यवाही के बीच हस्तक्षेप पर नाराज हाईकोर्ट ने बेसिक शिक्षा के क्षेत्रीय सहायक निदेशक को किया तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अदालती कार्यवाही के बीच हस्तक्षेप पर नाराजगी जताते हुए क्षेत्रीय सहायक निदेशक बेसिक शिक्षा को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने गुंजन मणि त्रिपाठी की याचिका पर दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अदालती कार्यवाही के बीच हस्तक्षेप पर नाराजगी जताते हुए क्षेत्रीय सहायक निदेशक बेसिक शिक्षा को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने गुंजन मणि त्रिपाठी की याचिका पर दिया है। याची देवरिया के प्राथमिक विद्यालय में कार्यवाहक प्रधानाचार्य थीं। विपक्षी ने खुद को वरिष्ठ का दावा कर कार्यवाहक प्रधानाचार्य बनाने के लिए आवेदन किया। इस पर बीएसए ने विपक्षी को कार्यवाहक प्रधानाचार्य का कार्यभार संभालने का आदेश पारित कर दिया। इस फैसले को गुंजन मणि त्रिपाठी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने कोर्ट को जानकारी दी कि 18 फरवरी 2026 के विवादित आदेश को याचिका में चुनौती दी गई है। वहीं, उक्त आदेश के क्रियान्वयन पर गोरखपुर मंडल के सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) ने 20 मार्च 2026 को एक आदेश पारित कर रोक लगा दी है। विभाग की ओर से दाखिल जवाबी हलफनामे में बताया गया कि यह रोक हाईकोर्ट में लंबित इस वर्तमान याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगी।

कोर्ट ने कहा–मामला विचाराधीन तो अधिकारी ने अंतरिम आदेश कैसे पारित किया

अदालत ने अधिकारी के इस कदम पर आश्चर्य व्यक्त कर टिप्पणी की कि क्षेत्रीय स्तर पर कार्यरत इतने वरिष्ठ अधिकारी ने खुद को न्यायिक प्राधिकरण की तरह पेश किया है। कोर्ट ने कहा कि जब मामला पहले से ही हाईकोर्ट के समक्ष विचाराधीन था, तब अधिकारी ने किस अधिकार से उस पर अंतरिम आदेश पारित कर दिया। पीठ ने इसे न्याय प्रशासन में बाधा और अधिकारियों की लापरवाह कार्यप्रणाली करार दिया। हाईकोर्ट ने सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), सप्तम मंडल, गोरखपुर को स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया है। उन्हें यह बताना होगा कि मामला विचाराधीन होने के बावजूद उन्होंने किस अधिकार के तहत 18 फरवरी के आदेश पर सशर्त रोक लगाई। 27 अप्रैल को मामले की सुनवाई होगी।

43 साल पहले हुई हत्या में वृद्ध दोषी को मिली जमानत, हर महीने सीजेएम कोर्ट में देनी होगी हाजिरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या में सजायाफ्ता वृद्ध अपीलकर्ता की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। उसे कोर्ट की ओर से जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर बरेली पुलिस ने पेश किया था। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ कर रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या में सजायाफ्ता वृद्ध अपीलकर्ता की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। उसे कोर्ट की ओर से जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर बरेली पुलिस ने पेश किया था। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ कर रही है।

अपीलकर्ता सुखदेव सिंह को पीलीभीत की सत्र अदालत ने 1983 में हुई हत्या में दोषी ठहराया था, जिसके खिलाफ 1989 से हाईकोर्ट में अपील लंबित है। सुनवाई के दौरान उपस्थित न होने पर कोर्ट ने उसके खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी किया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में

पेश किया। अपीलार्थी के अधिवक्ता ने दलील दी कि अत्यधिक वृद्ध और बीमार होने के कारण वह पिछली तारीख पर उपस्थित नहीं हो सका था। उसने पहले मिली जमानत का कभी भी दुरुपयोग नहीं किया।

इस पर कोर्ट ने अपीलकर्ता को हर महीने के तीसरे शनिवार को सीजेएम बरेली के समक्ष पेश होने व अपील की हर सुनवाई पर वकील की अनिवार्य उपस्थिति की शर्त पर निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। 22 अप्रैल को मामले की सुनवाई होगी।

ट्रेजरी घोटाले के आरोपी को मिली जमानत

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चित्रकूट के बहुचर्चित ट्रेजरी घोटाले से जुड़े मामले में आरोपी देव कुमार त्रिपाठी उर्फ बोग्गन त्रिपाठी की जमानत मंजूर कर ली है। न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा की एकल पीठ ने मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करने के बाद यह आदेश पारित किया। चित्रकूट के कर्वी कोतवाली नगर थाने में देव के खिलाफ विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने जमानत के लिए हाईकोर्ट में अर्जी दायर की। आवेदक के अधिवक्ता ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को इस मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है। वह 26 जनवरी 2026 से जेल में बंद है। आवेदक का नाम एफआईआर में दर्ज नहीं था। कथित ट्रेजरी घोटाले की कोई भी राशि उसके बैंक खाते में प्राप्त नहीं हुई है। केवल कॉल डिटेल रिकॉर्ड के आधार पर एक बिचौलिए के रूप में आरोपित किया गया है। दूसरी ओर सरकारी अधिवक्ता ने जमानत अर्जी का विरोध किया। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद 50,000 रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो प्रतिभूतियों पर आवेदक को सशर्त रिहा करने का निर्देश दिया है।

शॉर्ट सर्किट से छप्पर में लगी आग, पांच लोग झुलसे

प्रयागराज। सरायममरेज के खानपुरडाडी लोहगजरी गांव में मंगलवार रात 12 बजे शॉर्ट सर्किट से आग लगने से तीन सगे भाइयों का लाखों का सामान जल गया। आग बुझाने के दौरान पांच लोग झुलस गए। सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जहां दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। खानपुर डाडी निवासी प्यारेलाल, राजेश कुमार और अमरजीत सगे भाई हैं। पीड़ित परिजनों के अनुसार, मकान के आगे छप्पर डालकर तीनों भाइयों ने 12 क्विंटल गेहूं, दो बाइक, चार साइकिल और तीन फोन के साथ गृहस्थी का सामान रखा था। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हवा चलने की वजह से छप्पर धू–धूकर जलने लगा। आग लगने की जानकारी पर घर में सो रहे लोग उठकर बाहर आए। आग को बुझाने की कोशिश में प्यारेलाल, अमरजीत, राजेश कुमार, अक्षय कुमार व कंचन देवी झुलस गईं। प्यारेलाल और राजेश गंभीर रूप से जलकर जख्मी हो गए।

पति के खिलाफ झूठा केस दर्ज कराना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं कहा जा सकता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि वैवाहिक विवाद में पत्नी की ओर से पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने पत्नी व उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि वैवाहिक विवाद में पत्नी की ओर से पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने पत्नी व उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी। सहारनपुर निवासी महिला ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर पति को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी चार्जशीट और मुकदमे की कार्यवाही रद्द करने की गुहार लगाई थी। संबंधित मामले में मृतक के पिता ने अगस्त 2022 में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि बहू (याचिकाकर्ता) ने उनके बेटे पर पुश्तैनी संपत्ति में हिस्सा देने का दबाव डाल रही थी। मना करने पर उसने व उसके रिश्तेदारों ने कथित तौर पर मेरे बेटे को परेशान किया और झूठा केस दर्ज कराया। इसके चलते बेटे को नौकरी छोड़नी पड़ी और मानसिक तनाव में था। जुलाई 2022 में उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

कोर्ट ने कहा कि युवक पत्नी की ओर से दायर किए गए मामलों का सामना कर रहा था। वैवाहिक संबंध सौहार्दपूर्ण नहीं थे। फिर भी प्रथम दृष्टया यह नहीं कहा जा सकता कि आत्महत्या आवेदकों की ओर से दायर मामलों का परिणाम थी। कोर्ट ने आत्महत्या के लिए उकसाने के इरादे का कोई साक्ष्य नहीं पाया।

बारिश में फसलों संग भीग रहीं उम्मीदें

प्रयागराज। मौसम ने बुधवार को फिर से करवट बदली है। सुबह से ही आंधी–तूफान और घने बादलों ने किसानों को परेशान किया। तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश ने गेहूं व जौ की फसल को अधिक नुकसान पहुंचाया। बारिश के साथ ही किसानों की उम्मीदें भी भीग गईं। इसके पहले बीते रविवार को ओलावृष्टि होने से गेहूं समेत अन्य फसल खेत में ही गिर गई थी। सोमवार व मंगलवार को धूप के बाद बुधवार को हुई बारिश की वजह से फसल फिर से भीग गई। रबी सीजन में गेहूं, जौ, सरसों, चना व अरहर की फसल प्रमुख है। बुधवार को हवाओं के साथ हुई हल्की बारिश ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है।

भूसे का मोह छोड़ हार्वेस्टर से गेहूं काट रहे किसान

मंगलवार को मौसम ने राहत दी तो किसानों ने भूसे का मोह छोड़कर हार्वेस्टर से ही गेहूं को काटना शुरू कर दिया। बड़ोखर निवासी शिव सागर ने बताया कि साल भर की रोटी की व्यवस्था जुटाने के लिए भूसे का मोह छोड़ना पड़ा। हार्वेस्टर से गेहूं की मड़ाई करा ली है। सैम्हा निवासी राजू ने बताया कि आए दिन हो रही बारिश से किसान चिंतित हैं, मौसम की बेरुखी देख हार्वेस्टर से फसल कटाने का निर्णय लिया लेकिन बारिश के कारण कटाई टल गई। वहीं, कई किसान कटी हुई अरहर की फसल को समेटते नजर आए।

प्रेरणा पोर्टल पर 65 फीसदी से अधिक छात्र का सत्यापन लंबित

प्रयागराज। प्रेरणा पोर्टल पर 65 फीसदी से अधिक छात्र का सत्यापन लंबित है। ऐसे में बेसिक शिक्षा विभाग ने अध्यापकों को शत–प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर विद्यार्थियों तक पहुंच सके। जिले में 297885 छात्रों के सापेक्ष अब तक केवल 99928 छात्रों का ही सत्यापन हो सका है, जबकि 2101 छात्रों को डिलीट किया गया है। इसके बावजूद 195856 छात्र अब भी शिक्षकों के स्तर पर लंबित हैं। सत्यापन की प्रगति 34.25 प्रतिशत ही है। वहीं 65.75 प्रतिशत कार्य अभी बाकी है।

नगर क्षेत्र की स्थिति चिंताजनक है, जहां 20343 छात्रों में से मात्र 1896 का सत्यापन हुआ है। करीब 90 प्रतिशत कार्य लंबित है। कोरांव में 24147 छात्रों में से 15.77 प्रतिशत सत्यापन हुआ है। 84.23 प्रतिशत छात्र लंबित है।

उरुवा में 22.88 प्रतिशत, मऊआइमा में 25.01 प्रतिशत और चाका में 27.58 प्रतिशत सत्यापन ही हो पाया है। जसरा, कौंधियारा, शंकरगढ़, करछना और बहरिया जैसे ब्लॉकों में भी सत्यापन की दर 30 से 32 प्रतिशत के बीच ही है।

वहीं, फूलपुर में 55.34 प्रतिशत, कौड़िहार में 54.61 प्रतिशत और हंडिया में 48.20 प्रतिशत सत्यापन कार्य हो चुका है। अधिकांश ब्लॉकों में आधे से ज्यादा छात्र सत्यापन की प्रक्रिया से बाहर हैं।

ओलावृष्टि से तबाहीः दौलतपुर में 80–85 प्रतिशत गेहूं की फसल बर्बाद

प्रशासन पर अनदेखी का लगाया आरोप

बल्देव (मथुरा)। क्षेत्र के गांव दौलतपुर में हाल ही में हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। खेतों में खड़ी गेहूं की फसल का लगभग 80 से 85 प्रतिशत हिस्सा नष्ट हो गया है, जबकि अन्य रबी फसलें भी पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। इस प्राकृतिक आपदा से किसानों के

सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों का कहना है कि महीनों की मेहनत कुछ ही पलों में तबाह हो गई। उन्होंने बताया कि इस नुकसान से उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ा है और अब परिवार का पालन–पोषण करना भी मुश्किल हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि अब तक प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नुकसान का आकलन करने नहीं पहुंचे हैं, जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं, प्रभावित किसानों ने सरकार से शीघ्र सर्वे कराकर उचित मुआवजा और राहत प्रदान करने की मांग की है, ताकि वे इस कठिन परिस्थिति से उबर सकें। इस दौरान ग्राम प्रधान जनेश सिंह, सिंधी भैया, अजय उर्फ भुल्ला, देशवार, प्रवीण चौधरी, पिल्लू सिंह, जयपाल सिंह, रामखिलोना सिंह, अजीत देशवार सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

बीआरसी पर संगोष्ठी आयोजित, शत–प्रतिशत नामांकन पर जोर

विकास खंड कार्यालय पर खंड विकास अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

चौमुहां। विकास खंड कार्यालय चौमुहां परिसर में 'स्कूल चलो अभियान' के अंतर्गत एक दिवसीय संगोष्ठी एवं बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना और परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना रहा। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी अभिमन्यु

सेठ एवं खंड शिक्षा अधिकारी कैलाश शुक्ला ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

बैठक को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी अभिमन्यु सेठ ने कहा कि शिक्षा ही समाज की उन्नति का एकमात्र मार्ग है। उन्होंने ग्राम प्रधानों और शिक्षकों से आह्वान किया कि वे गांव के हर घर तक पहुंचें और यह सुनिश्चित करें कि 6 से 14 वर्ष का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। खंड शिक्षा अधिकारी कैलाश शुक्ला ने विभागीय योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा सरकार द्वारा बच्चों को निःशुल्क ड्रेस, पुस्तकें, जूते–मोजे और मिड–डे मील जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। शिक्षक घर–घर जाकर अभिभावकों को जागरूक करें और स्कूल छोड़ चुके बच्चों को दोबारा मुख्यधारा से जोड़ें। इस मौके पर एडीओ पंचायत नवेश कुमार सुमन, एडीओ आईएसबी राकेश कर्दम,सचिव चौधरी ब्रजमोहन सिंह, योगेश कुमार,प्रशांत कुमार ,एआरपी जितेन्द्र कुमार,शैलेन्द्र कुमार क.ऑ. ओमशरन, मुनेश, प्रहलाद सिंह, राकेश कुमार, सुधीर कुमार, रवि कुमार सहित ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य उपस्थित रहे। संगोष्ठी के अंत में सभी उपस्थित लोगों को शिक्षा के प्रचार–प्रसार की शपथ दिलाई गई।

इनोवेटिव बिजनेस में बढ़ा युवाओं का रुझान

इनोवेशन से स्थापित हो रहे स्टार्टअप

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में सीएम युवा योजना के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। योगी सरकार के प्रयासों से प्रदेश में इनोवेशन आधारित स्टार्टअप तेजी से उभर रहे हैं, जिससे हजारों युवाओं को न केवल रोजगार मिल रहा है बल्कि वे खुद रोजगार सृजनकर्ता भी बन रहे हैं। सीएम युवा योजना के माध्यम से प्रदेश में अब तक 10 हजार से अधिक इनोवेटिव उद्यम स्थापित किए जा चुके हैं, जो यह दर्शाता है कि युवाओं में उद्यमिता को लेकर आत्मविश्वास तेजी से बढ़ा है। युवा पारंपरिक व्यवसायों से आगे बढ़कर नए और आधुनिक क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना रहे हैं।सीएम युवा के नोडल अधिकारी और ज्वाइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेश्वर शुक्ला के अनुसार 'सीएम युवा' जैसी योजनाओं के माध्यम से न केवल रोजगार के अवसर बढ़े हैं, बल्कि उत्तर प्रदेश अब आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सीएम युवा के माध्यम से अब तक स्थापित कुल उद्यमों में 10 फीसदी इनोवेटिव मॉडल पर आधारित उद्यम हैं। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप मौजूदा वित्तीय वर्ष में इसे 25 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अगर सेक्टरवार आंकड़ों पर नजर डालें तो फूड और रेस्टोरेंट व्यवसाय युवाओं की पहली पसंद बनकर उभरा है, सर्वाधिक 763 उद्यम स्थापित हुए हैं। कंप्यूटर ट्रेनिंग 370, पैथोलॉजी/सैंपलिंग 260, फास्ट फूड 253 फ्रेंचाइजी आधारित मॉडल 253 और ऑनलाइन टीचिंग 189 जैसे क्षेत्रों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। वहीं जिम 170 मोबाइल आईटी एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म 120, ट्रैवल एंड टूरिज्म 117 और क्लाउड किचन 117 जैसे उभरते क्षेत्रों में भी स्टार्टअप तेजी से बढ़ रहे हैं। लखनऊ 287 उद्यमों के साथ शीर्ष पर है।

उरुवा में स्कूल चलो अभियान के तहत निकाली गई नामांकन रैली

नई कक्षा में पहुंचने पर बच्चे उत्साहित। एआरपी अजीत मिश्रा ने रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मेजा, प्रयागराज। जिले के विकास खंड उरुवा स्थित प्राथमिक विद्यालय केवटाही में स्कूल चलो अभियान रैली बड़े ही धूमधाम से हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उरुवा ब्लॉक के एआरपी अजीत मिश्र ने सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात स्कूल के बच्चों द्वारा स्कूल चलो अभियान रैली को विद्यालय के मुख्य द्वार से हरी झंडी दिखाकर रैली को गांव में नामांकन बढ़ाने के लिए प्रस्थान कराया गया तथा विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष मनीष कुमार के साथ एआरपी ने स्वयं रैली में बच्चों के साथ घूमकर गांव में अभिभावकों से बातचीत कर परिषदीय विद्यालय में बच्चों के नामांकन हेतु प्रेरित किया।

वहीं विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शिप्रा द्वारा किए गए आह्वान को गाँव के अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय एवं खंड शिक्षा अधिकारी महोदय की मंशा को पूर्णरूपेण

सफल बनाने को अपनी सहमति दिया। रैली में विद्यालय के बच्चों की माताओं ने साथ–साथ चलकर यह सिद्ध किया कि बच्चों के भविष्य को सुंदर एवं साकार बनाने में उनकी महत्ता सदैव आदरणीय बनी रहेगी। एआरपी अजीत मिश्रा द्वारा विद्यालय में रैली के उपरांत नवप्रवेशी बच्चों को स्कूल बैग व पुस्तक वितरित किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने बताया कि हर वर्ष स्वयं के माध्यम से नवप्रवेशी बच्चों को स्कूल बैग वितरित किया जाता है जिससे बच्चों को स्कूल आने में और किताबों को रखने में कोई परेशानी ना हो।

विद्यालय परिवार के शिक्षक विकास पाण्डेय एवं दीपक पांडेय ने एआरपी अजीत मिश्रा का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन विद्याकांत शुक्ला ने किया। विजय कुमारी पटेल ने विद्यालय में उपस्थित बच्चों की माताओं का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एआरपी अजीत मिश्रा ने पूर्ण मनोयोग से नामांकन वृद्धि बढ़ाने के लिए किए गए प्रयास एवं बहुत ही सुंदर ढ़ंग से पूरे कार्यक्रम को कराने के लिए विद्यालय की प्रधानाध्यापिका का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उक्त अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं बड़ी संख्या में बच्चों की माताएं और उनके अभिभावक उपस्थित रहें।

रामन कृष्णन बने आरेडिका के नये महाप्रबंधक

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के नवनियुक्त महाप्रबंधक श्री रामन कृष्णन ने दिनांक 09 अप्रैल, 2026 को महाप्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया।

श्री रामन कृष्णन वर्ष 1990 बैच के भारतीय रेलवे यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसएमई) के वरिष्ठ अधिकारी हैं तथा भारतीय रेल में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध एवं बहुआयामी अनुभव रखते हैं। आरेडिका में पदभार ग्रहण करने से पूर्व वे इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत थे।

अपने दीर्घ सेवाकाल में श्री कृष्णन ने भारतीय रेल के विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इनमें दक्षिण पश्चिम रेलवे में मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एवं मुख्य रोलिंग स्टॉक इंजीनियर, रेल व्हील फैक्ट्री में मुख्य कार्यशाला इंजीनियर, भारतीय रेलवे यांत्रिक एवं विद्युत इंजीनियरिंग संस्थान (इरिमी), जमालपुर में वरिष्ठ प्रोफेसर, दक्षिण रेलवे एवं रेल कोच

फैक्ट्री, कपूरथला में उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, तथा दक्षिण रेलवे में कार्यशाला प्रबंधक एवं सहायक मंडल यांत्रिक इंजीनियर जैसे पद शामिल हैं।

श्री कृष्णन ने सिंगापुर एवं कुआलालंपुर (मलेशिया) से एडवांस मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम तथा भारतीय रेल राष्ट्रीय अकादमी (नायर), वडोदरा से मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

वर्ष 2001 में रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में कार्य के दौरान वियतनाम नेशनल रेलवे को बोगियों के निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान तथा दक्षिण पश्चिम रेलवे में उच्च हॉर्सपावर (भ्रू) लोकोमोटिव के स्पेयर की खरीद में उत्कृष्ट भूमिका के लिए उन्हें दो बार महाप्रबंधक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए उन्हें दो बार प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है।

श्री रामन कृष्णन को डीजल ट्रैक्शन, रेल कोच निर्माण, वर्कशॉप प्रबंधन एवं रोलिंग स्टॉक प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विशेष विशेषज्ञता प्राप्त है। उन्होंने भारतीय रेल में नकद आधारित लेखांकन से उपार्जन आधारित लेखांकन प्रणाली में परिवर्तन तथा संगठनात्मक व्यवहार से संबंधित विषयों पर भी महत्वपूर्ण शोध कार्य किए हैं।

आरेडिका परिवार को विश्वास है कि श्री रामन कृष्णन के कुशल नेतृत्व में कारखाना उत्पादन, गुणवत्ता एवं नवाचार के नए आयाम स्थापित करेगा तथा भारतीय रेल के आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

एस डी एम के आदेश के बावजूद अभी तक नहीं हो सकी भयहरणनाथ महादेव के भूमि की पैमाइश

12 अप्रेल को होगा पांचवा सामाजिक सत्याग्रह
देवता की भूमि देवता को वापस हो- प्रबन्ध समिति

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम के भूमि की पैमाइश हेतु एस डी एम सदर नैन्सी सिंह के आदेश के बाद भी राजस्व विभाग गंभीर नही हो रहा है. जबकि धाम की प्रबन्ध संस्था व क्षेत्रीय समाज के प्रबुद्ध नागरिक धाम को कब्जा मुक्त करने हेतु 15 मार्च से निरंतर प्रत्येक रविवार को सामाजिक सत्याग्रह सामूहिक रूप से कर रहे है. वहीं धाम पर निहित स्वार्थ में एक पुजारी व उनके निजी हितैषी व्यक्तिगत मालिकाना हेतु सरकारी बारदारी को तोड़कर पुनः बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव व सामाजिक सत्याग्रह के संयोजक समाज शेखर ने बताया कि इस मामले में पूर्व में ही 2 मार्च को जबकि सरकारी योजना द्वारा बारदारी का पुनरोद्धार प्रस्तावित है. उपजिलाधिकारी सदर ने स्वयम धाम आकर की भूमि की पैमाइश का निर्देश दिया. परंतु अभी तक राजस्व टीम इस बावत धाम नही आ सकी. बात करने पर राजस्व कर्मी आज कल की बात करते है. ऐसे में आगामी रविवार 12 अप्रेल को पुनः सामाजिक सत्याग्रह का आयोजन होगा. अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह सहित भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के सभी पदाधिकारियो ने जिलाधिकारी व

जिलाधिकारी महोदय से मिलकर अवगत कराया गया था. इसी बीच होली के पर्व पर निजी स्वार्थ में लिप्त व्यक्तियों ने बारदारी को बिना सोचे समझे मनमाने तरीके से गिरा दिया, निरीक्षण किया और 2 नायाब तहसीलदारों सहित एक 10 सदस्यीय टीम का गठन 28 मार्च को आदेश जारी किया. आदेश में हो रहे कब्जे की फोटो सहित आख्या व धाम पुलिस अधीक्षक महोदय से धाम के भूमि की पैमाइश जल्द कराने व मनमानेपन व निहित स्वार्थ पर नियंत्रण करते हुए धाम को कब्जा मुक्त किये जाने की मांग की।

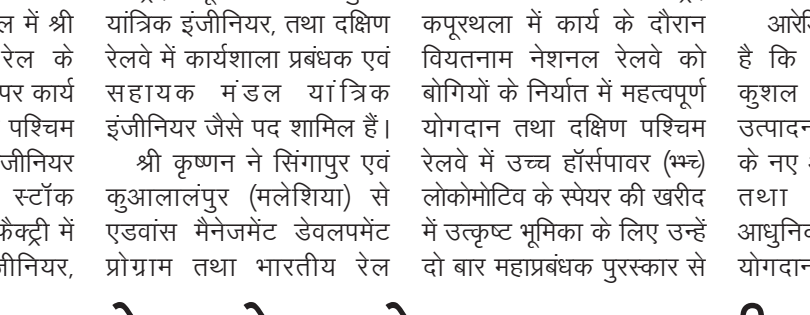

गरीबों के बजाय अमीरों के बच्चे पा रहे आरटीई से निजी विद्यालयों में एडमिशन

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत सरकार की सबको शिक्षा व समान शिक्षा के उद्देश्य को पूरा करने के लिये निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 को लागू किया गया था। जिसके तहत दुर्बल व अलाभित समूह के तीन वर्ष से चौदह वर्ष आयु के बच्चों को निजी स्कूलों में बिना किसी भेदभाव के एक समान निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का प्रावधान है। यह अधिकार उन दुर्बल व अलाभित समूह के बच्चों को दिया जाता है जिनके माता–पिता या अभिभावक की समस्त स्रातों से आय एक लाख रूपये वार्षिक हो। आवेदन करने के बाद बच्चे के प्रपत्रों की जांच की जाती है, विभाग भौतिक सत्यापन करने के बाद चयनित बच्चों की लाटरी निकाली जाती है तथा फिर उसे उसी के वार्ड के निजी विद्यालयों को आवंटित करके प्रवेश दिलवाले की प्रकिया पूरी की जाती है। इसके लिये पचीस प्रतिशत सीटे आरक्षित निजी विद्यालयों को आरक्षित करनी पड़ती है।

माटी का सत्संग

(छप्पय)

माटी का सत्संग लुभाना सबको लगता।
मौसम के अनुसार दुखों को हरदम हरता।
अंतस में भर बीज फसल बनकर जब छाती।
हरियाली चहुँ ओर सुखद पल को ले आती।
माटी–माटी का मिलन पूरा इक इतिहास है।
है पूरी यह साधना साँसों को विश्वास है।।

लिपट, कृषक के पैर ज्ञान अंतस में भरती।
माटी, देव–समान सदा रक्षा है करती।
पा कुम्हार का साथ रूप जो रखती नाना
सबके आती काम न करती कभी बहाना।
जीवन–दर्शन खेत का माटी समझाती रही।
छोटी सी इस बात को हरियाली ने है कही।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सीजीएल परीक्षा में अभिषेक कुमार का चयन, वित्त मंत्रालय में बने सुपरिंटेंडेंट

—ऑल इंडिया मेरिट में 7282वीं रैंक हासिल, क्षेत्र में खुशी की लहर

अलीगढ़। जनपद की इगलास तहसील क्षेत्र के गांव दौलताबाद निवासी अभिषेक कुमार ने कर्मचारी चयन आयोग (SSC) की Combined Graduate Level (सीजीएल) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। चयन के बाद उन्हें वित्त मंत्रालय में सुपरिंटेंडेंट (Superintendent) के पद पर नियुक्ति मिली है। अभिषेक कुमार ने ऑल इंडिया मेरिट सूची में 7282वां स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव और आसपास के क्षेत्रों में खुशी का माहौल है, वहीं युवाओं को भी उनसे प्रेरणा मिल रही है। अभिषेक एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता विनोद कुमार भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे

चुके हैं, जबकि माता ममता देवी गृहिणी हैं। उनके दादा ज्वाला प्रसाद और दादी कुसुम देवी ने भी उनके संस्कारों और परवरिश में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। परिवार के सहयोग और प्रेरणा ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा एलबीके पब्लिक स्कूल, इगलास से पूरी की। इसके बाद डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा से स्नातक (बीए) की डिग्री हासिल की। कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर उन्होंने यह सफलता अर्जित की। अभिषेक की इस उपलब्धि पर ग्रामीणों और परिजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्षेत्रवासियों का कहना है कि उनकी यह सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत साबित होगी।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नं0 पीआरवाइजे-सिग-002-2026-27

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समा0 उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेण्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.: 002 | अनुमानित मूल्य : 24741851.30 | धरोहर राशि : 494800/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.00 | कार्य समापन की अवधि : बारह माह
निविदा खुलने की तिथि : 05.05.2026

कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल में वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समा0 के अनुभाग में संशोधित RDSO/TAN-3006 के अनुसार अर्थिंग एवं बॉन्डिंग व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण और उन्नयन।

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप : निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदादाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार : रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सभी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 779/26 (D)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर प्लेटफार्म सं. 03 (लाइन नं. 17) बैलेस्ट लेस ट्रैक के निर्माण कार्य हेतु 40 दिनों का ट्रैफिक ब्लॉक के कारण निम्नलिखित गाड़ी के टर्मिनल में परिवर्तन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

रेलगाड़ी के टर्मिनल में परिवर्तन

गाड़ी सं.	कहाँ से कहाँ तक	संशोधित टर्मिनल	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	आगमन/प्रस्थान समय
11273	इटारसी जं.-प्रयागराज छिवकी	नैनी जं. पर	24.04.26 से 02.06.26	नैनी जं. पर 10:00
11274	प्रयागराज छिवकी -इटारसी जं.	नैनी जं.से	25.04.26 से 03.06.26	नैनी जं. से 21:00

नोट- टर्मिनल में परिवर्तन के कारण गाड़ी सं. 11274 प्रयागराज छिवकी-इटारसी जं. के समय में संशोधन किया गया है। यह गाड़ी निम्न विवरणानुसार चलेगी:-

स्टेशन	निर्धारित समय	संशोधित समय
प्रयागराज छिवकी	प्रस्थान 20:15	--
नैनी जं.	--	प्रस्थान 21:00
इरादतगंज	20:31-20:32	21:15-21:16
जसरा	20:40-20:41	21:24-21:25
मदरहा	20:50-20:51	21:33-21:34
लोहगरा	20:59-21:00	21:42-21:43
शंकरगढ़	21:15-21:16	21:54-21:55
मझियारी	21:29-21:30	22:06-22:07
बरगढ़	21:39-21:40	22:15-22:16
कटइयाडांडी	21:59-22:00	22:24-22:25
डभौरा	22:14-22:15	22:35-22:36
पनहाई	22:29-22:30	22:49-22:50
मानिकपुर जं.	23:05-23:07	23:12-23:22

मार्ग के अन्य स्टेशनों पर समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

नोट: ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 784/26 (ADM)

सम्पादकीय.....

कहां गए शांति के कपोत उड़ाने वाले?

आज की दुनिया बारूद से धधक रही है। रूस–यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व के रेगिस्तानों तक, हर तरफ मिसाइलों की गूँज है। शांति की बाते अब सुनाई नहीं देतीं। शांति के कपोत उड़ाने वाले दिखाई देने बंद हो गए। युद्ध की विभिषिका के विरोध में प्रदर्शन करने और मोमबत्ती जलाने वाले अब सड़कों से गायब है। युद्ध के विरोध के स्वर धीमे ही नही हुए, पूरी तरह खामोश हो गए। बुद्ध के संदेश अब किताबों में ही बंद होकर रह गए है। युद्धों के विरोध की कही से बात नही उठ रही। दुनिया में शांति स्थित करने के लिए बने संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुंह पर टेप चिपक गया। वह देख सकता है। न कुछ बोल सकता है। न आदेश कर सकता है। विडंबना देखिए कि इक्कीसवीं सदी में हम मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन जमीन के चंद टुकड़ों और आपसी वर्चस्व के लिए हजारों बेगुनाहों का खून बहाने से भी पीछे नहीं हट रहे। युद्ध चाहे रूस और यूक्रेन के बीच हो, या इजराइल, ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव हो। जीत के झंडे चाहे जिस देश के हाथ आएं, हारती हमेशा मानवता है। इन युद्ध में विजयी कोई भी हो, सदा पराजित तो मानव होती है। मरती बस इंसानियत है। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस–यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिसाइल और ड्रोन दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे, जिस तरह कि करना चाहिए। युद्ध केवल इंसान को नहीं मारता, वह सदियों से बनी–बनाई सभ्यताओं और बुनियादी ढांचे को भी नष्ट कर देता है। स्कूलों, अस्पतालों और रिहायशी इमारतों पर गिरते बम यह दर्शाते हैं कि आधुनिक समाज कितना ष्असंवेदनशीलष् हो चुका है। जब एक अस्पताल पर मिसाइल गिरती है, तो वह केवल ईंट–पत्थर की इमारत नहीं ढहती, बल्कि इंसानियत की आखिरी उम्मीद भी टूट जाती है। इन लड़ाइयों का असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है। रूस–यूक्रेन संघर्ष ने दुनिया भर में अनाज की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ दिया। इससे गरीब देशों में भुखमरी का खतरा बढ़ गया। ईंधन की बढ़ती कीमतें और खाद्य पदार्थों की कमी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। जो खरबों डॉलर शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में खर्च होने चाहिए थे, वे आज आधुनिक हथियार और मिसाइलें बनाने में झोंके जा रहे हैं। युद्ध का एक और खामोश शिकार हमारा पर्यावरण है। हजारों टन गोला–बारूद का इस्तेमाल वायुमंडल को जहरीला बना रहा है। जंगलों की आग, समुद्री प्रदूषण और जमीन में धंसे बारूदी सुरंग आने वाली कई पीढ़ियों के लिए मौत का जाल बिछा रहे हैं। हम जिस धरती को बचाने की कसमें खाते हैं, उसी को युद्ध की आग में झोंक रहे हैं। संसाधनों को बरबाद कर रहे हैं। जब हम टीवी पर बमबारी के दृश्य देखते हैं और उन्हें केवल एक ष्न्यूज अपडेटष् की तरह छोड़ देते हैं, तो समझ लीजिए कि हमारे भीतर की इंसानियत मर चुकी है। युद्ध हमें क्रूर बना देता है। हम मौतों को केवल श्आंकड़ोंश में गिनने लगते हैं। घृणा का यह बीज जो आज बोया जा रहा है, वह भविष्य में और अधिक कट्टरपंथ और आतंकवाद को जन्म देगा।अमेरिका आज दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बन गया है। उसने इराक पर यह कह कर हमला किया था कि उसके पास कैमिकल और अन्य घातक शस्त्र है। इराक हार गया। सद्दाम हुसैन पकड़े ही नही गए, उन्हें फांसी हो गई, किंतु अमेरिका इराक से कुछ भी बरामद नही कर पाया। उसका सब झूंठा प्रचार रहा। अब ईरान पर यह कह कर इजरायल और अमेरिका ने हमला किया कि वह परमाणु बम बनाने के नजदीक है। उसकी इस शक्ति को खत्म करना है। हमले जारी है। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए अपने मन की बात कह दी कि उसे ईरान के तेल पर कब्जा करना है। तीन जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने एक सैन्य ऑपरेशन के दौरान वेनेजुयला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनके देश (कराकस) से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नार्को–आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों के बाद की गई। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया। बहाना मादक पदार्थो की तस्करी रोकना था किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं कि वेनेजुयला का तेल वे बेचेंगे। उनकी मर्जी से बिकेगा। इस सब का मतलब साफ है कि दुनिया के संसाधनों पर अमेरिका की नजर है। वह किसी ने किसी बहाने उन पर कब्जा करना चाहता है।

20 करोड़ भूखे पेट, 8 करोड़ टन भोजन बर्बाद, नुकसान पर नकेल जरूरी

डॉ. दीपक पाचपोर

पंजाब में फल और सब्जियों की लगभग 20 प्रतिशत फसल खाने तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाती है। वर्ष 2019 से 2024 के बीच अकेले एफ.सी.आई. के गोदामों में ही 8200 टन अनाज खराब हुआ, जो देश में सबसे ज्यादा है।

हर साल 30 मार्च को पूरी दुनिया 'इंटरनैशनल डे ऑफ जीरो वेस्ट' मनाती है। 2026 में इसका फोकस भोजन की बर्बादी पर ध्यान आकघ्षत करता है। यह सिर्फ एक थीम नहीं, बल्कि एक नैतिक संकट है, जो हमें सबसे दर्दनाक सच्चाई से रूबरू कराता है। जो खाना बर्बाद होता है, उसे किसी किसान ने कड़ी मेहनत से तमाम मुश्किलों का सामना करते हुए उगाया था। खेत से मंडियों तक उन मजदूरों ने पहुंचाया जिन्हें खुद पेट भर खाने को नहीं मिल रहा। यूनाइटेड नेशंस एन्वायरनमैंट प्रोग्राम (यू.एन.ई.पी.) की फूड वेस्ट इंडैक्स रिपोर्ट 2024 बताती है कि दुनिया में 105 करोड़ टन खाना बर्बाद हुआ। इसमें से 60 प्रतिशत बर्बादी घरों और खराब भंडारण व्यवस्था के कारण हुई, 28 प्रतिशत होटल–रैस्टोरैंट सैक्टर में और 12 प्रतिशत रिटेल में। यह सिर्फ लोगों की लापरवाही की समस्या नहीं, यह पूरी व्यवस्था की खामी है, सप्लाई चेन की कमजोरियां, नीतियों की कमी और एक ऐसी सोच, जिसमें खाना फैंक देना सामान्य बात बन गई है। दूसरी तरफ दुनिया में करीब 78.3 करोड़ लोग आज भी भूख झेल रहे हैं और 30 लाख से ज्यादा लोग संतुलित आहार से वंचित हैं। ऐसे में फसल कटने के बाद होने वाले नुकसान और खाने की बर्बादी को रोकना बेहद जरूरी है। एक तरफ करोड़ों टन अन्न बर्बाद हो रहा है, तो दूसरी ओर करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं, कुपोषण अब भी दुनिया में फैला है। यह विडंबना नहीं, बल्कि हमारी व्यवस्था की असफलता है। इस पूरे संकट में भारत की स्थिति गंभीर और असहज करने वाली है। यू.एन.ई.पी. की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत दुनिया में खाद्यान्न बर्बादी में दूसरे नंबर पर है। हर साल 7.8 से 8 करोड़ टन भोजन व फसल बर्बाद होती है, जिसकी कीमत करीब 1.55 लाख करोड़ रुपए बैठती है। चीन पहले नंबर पर है, जहां 10.80 करोड़ टन खाना बर्बाद होता है। अमरीका में 2.4 करोड़ टन, जर्मनी में 65 लाख टन और जापान में, जहां 'मोतैनाई' यानी चीजों को व्यर्थ न जाने देने की संस्कृति है, केवल 52 लाख टन खाना बर्बाद होता है। भारत में हर व्यक्ति साल में औसतन 55 किलो खाना बर्बाद करता है, जो अमरीका (73 किलो) और जर्मनी (75 किलो) से कम है। लेकिन भारत की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि ग्लोबल हंगर इंडैक्स में भारत 125 देशों में 111वें स्थान पर है, करीब 19.4 करोड़ लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिलता। इसलिए भोजन की बर्बादी सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, यह करोड़ों लोगों के मुंह से छिना हुआ निवाला है। पंजाब, जो करोड़ों लोगों का पेट भर सकता है लेकिन खेत की उपज का एक बड़ा हिस्सा प्लेट तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाता है। पंजाब में फल और सब्जियों की लगभग 20 प्रतिशत फसल खाने तक पहुंचने से पहले ही खराब हो जाती है। वर्ष 2019 से 2024 के बीच अकेले एफ.सी.आई. के गोदामों में ही 8200 टन अनाज खराब हुआ, जो देश में सबसे ज्यादा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, फसल कटने के बाद की कमजोर व्यवस्था, जैसे ढके हुए गोदामों की कमी, कोल्ड–चेन में निवेश की कमी, मशीनों की समय पर उपलब्धता न होना, ग्रेडिंग और वैज्ञानिक पैकेजिंग की कमी, ये सब बड़ी बाधाएं पंजाब में हैं। भोजन की बर्बादी सिर्फ इंसानी त्रासदी नहीं, यह पर्यावरणीय संकट भी है। दुनिया में कुल ग्रीनहाऊस गैस में से 8 से 10 प्रतिशत भोजन की बर्बादी से पैदा हो रही हैं। जब खाना कचरे में सड़ता है तो इससे निकलने वाली मीथेन गैस, कार्बन डाइऑक्साइड से कई गुना ज्यादा खतरनाक है। हर दाना बर्बाद होने का मतलब है पानी, जमीन, ईंधन, खाद, बीज, कीटनाशक और किसान की मेहनत का नुकसान। एक किलो चावल उगाने में करीब 5000 लीटर पानी लगता है। जब वह चावल फैंका जाता है, तो वह पानी भी बर्बाद होता है, खासकर पंजाब जैसे राज्य में, जहां भूजल तेजी से गिर रहा है। समय की मांग है कि खाद्यान्न की बर्बादी को जलवायु नीति में शामिल किया जाए।

खाद्यान्न नुकसान को कम करना सिर्फ फसल या बचे हुए खाने को संभालना नहीं, यह सोच बदलने की जरूरत है कि हम खाने को कैसे देखते हैं, कैसे सहेजते हैं और कैसे इस्तेमाल करते हैं।

5 राज्यों में चुनाव के नाम पर हो रहा डरावना नाटक

अनिल जैन

चुनाव आयोग की ओर से आदर्श आचार संहिता लागू है, जिसके मुताबिक चुनाव प्रचार के दौरान न तो धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है और न ही धर्म, संप्रदाय और जाति के आधार पर वोट देने की अपील की जा सकती है। इसके अलावा किसी भी धार्मिक अथवा जातीय समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण देने या नारे लगाने का भी आचार संहिता निषेध करती है। इसके बावजूद भाजपा की ओर से धर्म के नाम पर वोट मांगे जा रहे हैं। इस समय पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और केंद्र शासित पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रचार अभियान जारी हैं। भाजपा की ओर से हमेशा की तरह प्रचार की कमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने संभाल रखी है। उनके अलावा तमाम केंद्रीय मंत्री, सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी के तमाम नेता धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। सभी के प्रचार की वही चिर–परिचित थीम है, जो पिछले बारह साल से हर चुनाव में रहती आई है– धर्म, हिंदू, मुसलमान, पाकिस्तान, गाय आदि। दूसरी पार्टियां भी कहीं–कहीं इसी लाइन पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रही हैं। आम जनता के रोजमर्रा के जीवन से जुड़े सवालों की कोई चर्चा नहीं। कहने को तो चुनाव आयोग की ओर से आदर्श आचार संहिता लागू है, जिसके मुताबिक चुनाव प्रचार के दौरान न तो धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है और न ही धर्म, संप्रदाय और जाति के आधार पर वोट देने की अपील की जा सकती है। इसके अलावा किसी भी धार्मिक अथवा जातीय समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण देने या नारे लगाने का भी आचार संहिता निषेध करती है। इसके बावजूद भाजपा की ओर से धर्म के नाम पर वोट मांगे जा रहे हैं और एक समुदाय विशेष के खिलाफ नफरत फैलाने वाली बातें कही जा रही हैं। खुद मोदीजी भी अपनी चुनावी रैलियों में खुले आम धार्मिक आधार पर लोगों से वोट देने की अपील कर रहे हैं और लोगों से धार्मिक नारे लगवा रहे हैं। उनकी रैली के मंच पर हमेशा की तरह धार्मिक प्रतीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा तो सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने के मकसद से इस चुनाव को श्सभ्यताओं का संघर्षश्य तक बता रहे हैं। यही नहीं, वे विरोधी पार्टी के नेताओं के खिलाफ अपने बयानों में भद्दी गालियों तक का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह सब बेरोक–टोक चल रहा है, जो कि कानूनन कतई नहीं चलना चाहिए। ऐसे माहौल में करीब तीन दशक पहले का वाकया याद आता है, जब चुनावी सभा में भड़काऊ और नफरत फैलाने वाला भाषण देने के लिए शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे पर चुनाव आयोग ने छह साल के लिए चुनाव लड़ने और वोट देने पर पाबंदी लगा दी थी। मामला यह था कि 1987 में महाराष्ट्र विधानसभा की विले पार्ले मुंबई सीट पर उपचुनाव हो रहा था। मुख्य मुकाबला कांग्रेस के उम्मीदवार प्रभाकर काशीनाथ कुंटे और निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. रमेश यशवंत प्रभु के बीच था। डॉ. रमेश प्रभु को बाल ठाकरे की शिव सेना का समर्थन प्राप्त था। गौरतलब है कि उस समय शिव सेना को एक राजनीतिक दल के रूप में मान्यता नहीं मिली थी, लेकिन शिवसेना सुप्रीमो बाल ठाकरे खुद डॉ. प्रभु के लिए चुनावी सभाओं के जरिए वोट मांग रहे थे। 13 दिसंबर, 1987 को मतदान हुआ था और 14 दिसंबर को उस उप चुनाव का नतीजा आया था। कांग्रेस उम्मीदवार प्रभाकर कुंटे को हार का सामना करना पड़ा। इस उपचुनाव से पहले विले पार्ले सीट कांग्रेस के पास ही थी। कांग्रेस के प्रभाकर कुंटे ने डॉ. प्रभु के निर्वाचन को हाईकोर्ट में चुनौती दी। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉ. प्रभु भड़काऊ और नफरत फैलाने वाले भाषणों के सहारे चुनाव जीते हैं। उन्होंने अपने आरोप के समर्थन में सबूत पेश करते हुए डॉ. प्रभु का चुनाव रद्द करने की अपील की। कई महीनों तक चली सुनवाई के बाद 7 अप्रैल, 1989 को बॉम्बे हाई कोर्ट ने डॉ. रमेश प्रभु और बाल ठाकरे को श्जनप्रतिनिधित्व कानून 1951श्च में परिभाषित श्चुनाव में भ्रष्ट आचरणश्च का दोषी पाया और इस आधार पर विले पार्ले सीट के उपचुनाव का नतीजा रद्द कर दिया। बॉम्बे हाई कोर्ट के इस फैसले को डॉ. प्रभु ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन 11 दिसंबर 1995 को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। पहले हाई कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से डॉ. प्रभु को तो सजा मिल गई लेकिन उनका चुनाव जिन बाल ठाकरे के भ्रष्ट आचरण से प्रभावित हुआ था, वे तो किसी भी सार्वजनिक पद पर या किसी सदन के निर्वाचित सदस्य नहीं थे, इसलिए उनकी सजा क्या हो? देश के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएस कृष्णमूर्ति के मुताबिक ऐसे मामलों मे छह साल के लिए मताधिकार से वंचित किया जाना अधिकतम सजा है। ऐसे मामले अदालत की ओर से राष्ट्रपति की ओर संदर्भित किए जाते हैं, क्योंकि मतदाता सूची में कोई भी बदलाव राष्ट्रपति के आदेश से ही हो सकता है। राष्ट्रपति अपने पास आए संबंधित मामले पर चुनाव आयोग से राय मांगते हैं और चुनाव आयोग की राय मिलने के बाद वे फैसला करते हैं।

तनावपूर्ण चुनाव अभियान में पराजित होती दिख रही भाजपा

कल्याणी शंकर

नवीनतम जनमत सर्वेक्षण अनुमानों के अनुसार पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को ऐतिहासिक चौथा कार्यकाल मिलने की संभावना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है और ममता की स्थिति को चुनौती देने के लिए काफी महत्वाकांक्षी है। इस बीच, कांग्रेस और सीपीआई (एम) दोनों ने अपना प्रभाव खो दिया है। ममता के लिए मुख्य संदेश यह है कि भाजपा का उदय इन पारंपरिक पार्टियों की कीमत पर हुआ है। बंगाल में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है, जिससे यह चुनाव राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बन गया है। यह राज्य अत्यधिक प्रतिस्पर्धी राजनीतिक परिदृश्य को बढ़ावा देता है। टीएमसी को स्पष्ट लाभ है। पार्टी के लिए 119 सीटों को बहुत मजबूत और अतिरिक्त 95 को मजबूत के रूप में वर्गीकृत किया गया है। भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र में ममता बनर्जी का मुकाबला उनके पूर्व सहयोगी और भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी से है। भाजपा ने सुवेंदु को मुख्यमंत्री चेहरे के तौर पर पेश किया है। भाजपा ने अपना अभियान ममता बनर्जी के 15 साल के कार्यकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शासन की आलोचना पर केंद्रित किया है। पिछले हफ्ते, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल सरकार के खिलाफ एक आरोपपत्र जारी किया था, जिसमें बनर्जी के नेतृत्व की आलोचना करते हुए उन्हें ममताजी या दीदी कहकर संबोधित किया गया था। 2021 के पश्चिम बंगाल चुनाव में टीएमसी ने 215 सीटें हासिल कर अहम जीत हासिल की थी। यह एक उल्लेखनीय राजनीतिक बदलाव को दर्शाता है। इसके विपरीत, भाजपा ने 77 सीटें जीतीं, जो राज्य में उसके बढ़ते प्रभाव को उजागर करती हैं। 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद से पिछले पांच वर्षों में, दलबदल और 12 सदस्यों की चुनावी हार के कारण भाजपा की ताकत घटकर 65 हो गई है। धार्मिक और जातिगत आधार पर मतदान के रूझानों से पता चलता है कि कैसे विभिन्न समुदाय टीएमसी और भाजपा का समर्थन करते हैं, जिससे चुनाव के नतीजे के लिए हर वोट महत्वपूर्ण हो जाता है। उत्तर बंगाल के आठ जिलों में भाजपा मजबूत है, जबकि दक्षिण बंगाल के जिलों में टीएमसी का पूरा वर्चस्व है। भाजपा हिंदू वोटों पर निर्भर है जबकि टीएमसी मुस्लिमों, महिलाओं और असंगठित वोटों पर निर्भर है। ममता बनर्जी ने मतदाताओं से उन्हें राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार के रूप में देखने का आह्वान किया है, न कि केवल व्यक्तिगत टीएमसी उम्मीदवारों के लिए। उन्होंने भाजपा पर बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को अवैध रूप से पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में जोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि वे बिहार के समान तरीकों का उपयोग करके इन मतदाताओं को ट्रेन से ले आने की योजना बना रहे हैं। पश्चिम बंगाल में लगभग 125 निर्वाचन क्षेत्रों में मुख्य रूप से मुस्लिम आबादी है, जिनमें से टीएमसी ने पिछले चुनाव में 100 से अधिक सीटें जीतीं, जिससे उन्हें मजबूत लाभ मिला है। 2021 के चुनावों के विपरीत,भाजपा अब अपने अभियान में धार्मिक विषयों पर कम ध्यान केंद्रित कर रही है। भाजपा का लक्ष्य 2021 के विपरीत, आगामी चुनावों में धार्मिक विभाजन से बचना है। कुल 30 प्रतिशत से अधिक मतदाता मुस्लिम होने के कारण, पिछले विभाजनों ने उनके समर्थन को नुकसान पहुंचाया है। अपने दृष्टिकोण को नरम करने के लिए, वे अब श्बाहरीश शब्द का उपयोग करते हैं। यह अंदरूनी–बनाम–बाहरी विषय ममता को फायदा देता है। एक शक्तिशाली राजनीतिक नेता, ममता सन् 2011 में कम्युनिस्ट नेतृत्व वाली सरकार को हटाकर सत्ता में आईं, जिसने 34 वर्षों तक पश्चिम बंगाल पर शासन किया था और तब से उन्होंने अपनी स्थिति बरकरार रखी है। टीएमसी बहुत संरचित नहीं है और इसमें सख्त नियमों का अभाव है। इसमें विश्वासों के एक मजबूत समूह का भी अभाव है। भारत में कई क्षेत्रीय दलों की तरह, यह ममता बनर्जी के मजबूत नेतृत्व पर निर्भर करता है, जिन्हें उनके समर्थक प्यार से दीदी और बंगाल टाइग्रेस के नाम से जानते हैं। यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत होती है तो उससे पार्टी को महत्वपूर्ण बढ़त मिलेगी, खासकर तब जब नरेंद्र मोदी भारत में सबसे लोकप्रिय नेता होने के बावजूद राज्य चुनावों में संघर्ष कर रहे हैं। बड़े पैमाने पर मुस्लिम मतदाताओं वाले राज्य में जीतना एक मजबूत प्रतीकात्मक महत्व होगा और 2024 के आम चुनावों में मोदी की संगठित पार्टी को चुनौती देने के लिए खंडित विपक्ष के लिए किसी भी शेष संभावना को कम कर देगा। ममता बनर्जी ने भाजपा एजेंटों पर बाहरी लोगों को शामिल करने के लिए फर्जी फॉर्म 6 आवेदनों के साथ पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में बाढ़ लाने का आरोप लगाया है। उन्होंने चुनाव आयोग से लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करने का आग्रह किया।

सीमा वर्णिका की कलम से

पराई

रूपा कई साल के बाद दो तीन दिन के लिए मायके आयी थी। सब कुछ वैसा ही था वही रिश्ते वही लोग वही दीवारें वही खिड़कियाँ फिर भी पता नहीं क्यों वह बात वह अहसास नहीं था।

माँ ने बातों बातों में ससुराल के हालचाल जानने चाहे तो रूपा ने हँस कर सब बहुत अच्छा है कह कर टाल दिया । उसे लगा कि ससुराल वालों के व्यवहार में ऊँच–नीच जान कर माँ दुःखी होंगी। अगर भूल से भी वहाँ वालों से कुछ कह सुन दिया तो उसकी मुश्किलें और बढ़ जाएँगी।

उसने जब माँ से घर के हालचाल व बहनों की शादी ब्याह की बातें जाननी चाहीं तो माँ यह सोच कर टाल गयीं कि दो दिन को आयी है क्यों दुःख दर्द की बातें बताएँ जिसे सुनकर उसका मन खराब हो। बस दो चार दिन खुशी –खुशी कट जाएँ। लेकिन उनके मुख पर तनाव स्पष्ट पढ़ा जा सकता था। रूपा को मन ही मन बहुत खला। जिस घर में उसके बिना पत्ता नहीं हिलता था आज वहीं वह अजनबियों की तरह बैठी है किसी पर कोई अधिकार नहीं।

रूपा की बहनें भाई सब उसके बिना जीना सीख चुके थे किसी की जिंदगी में भी उसकी जगह बस अनचाहे आगन्तुक से ज्यादा नहीं दिखी। ऐसा लगा कि उसके आने से इन लोगों की दिनचर्या में खलल पड़ गया है। एक बार उसका मन किया कि अगले ही दिन वापस लौट जाए। ससुराल में मायके का सम्मान बना रहे यह सोच उसने किसी तरह वक्त काटा। बस माता पिता के चेहरे की संतुष्टि देख कर राहत मिली थी। वह समझ गयी थी सात फेरे और कन्या दान बेटी को असल में पराया करने की विधि है। यही नियति है बेटी की ससुराल में दूसरे घर की और मायके में पराए घर की। उसे देहरी के दोनों तरफ बस पराये का ठप्पा लगा दिख रहा था।

सीमा वर्णिका, कानपुर

वोट का अधिकार

आया है मौसम चुनाव का,
अपने जिम्मेदारी को भुलना नहीं है।
वोट करने जरूर जाना,
अपने अधिकार को छोड़ना नही है।

यह अधिकार पाँच साल पर आता ,
नेताओं के झांसों में आना नहीं है।
वोट करना सोच समझ कर,
आने वाले भविष्य को बिगाड़ना नही है।

चंद पैसो के चक्कर मे,
अपने इमान को बेचना नहीं है।
वोट करना सोच समझकर ,
बच्चों के भविष्य को बिगड़ने देना नहीं है।

जो राज्य और देश के विकास का बात करें,
उसके लिए अपने वोटों पर विचार करें।
जो जाति–धर्म में बांटने की बात करे,
वैसे नेता का मिलकर बहिस्कार करें ।

पिछले पाँच सालो का आकलन जरूर करे,
फिर सोच समझकर अपने नेता का चुनाव करें।
एक गलत निर्णायक वोट कर,
पांच वर्ष के लिए पश्चताना नहीं है ।

आया है मौसम चुनाव का,
अपने जिम्मेदारी को भुलना नहीं है।
वोट करने जरूर जाना,
अपने अधिकार को छोड़ना नही हैस

सुजीत कुमार शर्मा

गुड्डी की मासूमियत ने जीता था शहंशाह का दिल, जानें कैसे मिस भादुड़ी से मिसेज बच्चन बनीं जया

जया बच्चन आज अपना 78वां जन्मदिन मना रही हैं। एक सफल अभिनेत्री, पत्नी और मांय जया ने अपने जीवन के हर रंग को भरपूर जिया है। साल 1971 में फिल्म श्गुड्डीश से उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत की। 1972 में पहली बार उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म श्बंसी बिरजूश में काम किया पर बच्चन से पहली मुलाकात तो गुड्डी के सेट पर ही हो गई थी। फिल्मी सेट पर मिले ये दो दिल तब तक यह नहीं जानते थे की वो एक साथ लंबे वक्त तक धड़केगें। जया और अमिताभ बच्चन की प्रेम कहानी पुणे फिल्म संस्थान में शुरू हुई। अमिताभ प्रसिद्ध निर्देशक के. अब्बास के साथ पुणे आए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमिताभ को पहली बार जया के लिए एहसास तब जागा जब उन्होंने पहली बार उन्हें एक पत्रिका के कवर पेज पर देखा। एक–दूसरे को पसंद करने का जो सिलसिला गुड्डी से शुरू हुआ था वो फिल्म श्बंसी बिरजूश और एक नजर में परवान चढ़ा। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ी। जया जहां समझ चुकी थी कि यह प्यार है वहीं अमिताभ अब भी इसकी दस्तक नहीं सुन पा रहे थे। हालांकि, धीरे–धीरे दोनों को यह महसूस हो गया। जया और अमिताभ एक होना चाहते थे। खबरों की मानें तो जया के करीबी दोस्त और सुपरस्टार राजेश खन्ना को दोनों का रिश्ता सही नहीं लगा। इसपर एक्टर ने आपत्ति जताई थी। मगर तब तक अमिताभ का जादू जया पर चल चुका था। दो साल गुजर गए। साल 1973 में फिल्म जंजीर की सफलता के बाद अमिताभ बच्चन सुपरस्टार बन गए। इस सफलता का जश्न मनाने के लिए अमिताभ दोस्तों के साथ फॉरिन ट्रिप पर जाना चाहते थे। वो चाहते थे कि जया भी उनके साथ लंदन जाएं। मगर दोनों के परिवारों को पता चला तो इस पर मंजूरी नहीं मिली। न तो परंपरिक बच्चन परिवार ने अमित को इजाजत दी। न ही कला के भक्त भादुड़ी परिवार ने जया को। मगर अमिताभ की जिद थी कि वो जया के साथ ही लंदन जाएंगे। इस पर परिवार वालों ने कहा कि अगर दोनों शादी कर लें तो किसी को कोई परेशानी नहीं है। इसके बाद बिना देरी किए अमिताभ बच्चन और जया भादुड़ी ने 3 जून 1973 एक निजी समरोह में फेरे ले लिए। अब अमिताभ और जया की शादी को 53 साल बीत चुके हैं। दोनों खुशहाल जीवन जी रहे हैं। अब जया सिर्फ पत्नी ही नहीं दो बच्चों (अभिषेक बच्चन और स्वेता नंदा) की मां भी है। बहू के रूप में उन्हें एश्वर्या राय बच्चन मिली हैं। पोती आराध्या और नाती–नातिन अगस्त्य–नव्या के साथ उनकी बॉन्डिंग भी जबरदस्त है।

क्यों हंसिका मोटवानी ने एक्स भाभी पर किया मानहानी का केस ? पब्लिक माफी के साथ की 2 करोड़ के हर्जाने की मांग

एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ और कोर्ट केस को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनके नाम से जुड़ा एक मामला सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया है, जिसकी वजह से उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आइए जानते हैं क्यों एक्ट्रेस इस वक्त टॉक ऑफ द टाउन बनी हुई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हंसिका ने अपनी अलग रह रही एक्स भाभी और टीवी एक्ट्रेस मुस्कान नैन्सी जेम्स के खिलाफ मुंबई कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज किया है। उन्होंने इस केस में 2 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है और साथ ही पब्लिक माफी की भी मांग की है। हंसिका का आरोप है कि उनकी भाभी ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ गलत और नुकसान पहुंचाने वाले आरोप लगाए, जिससे उनकी इमेज खराब हुई। एक्ट्रेस का यह भी कहना है कि ये सब इसलिए किया गया ताकि करीब 27 लाख रुपये के उधार पैसे वापस न करने पड़ें। वहीं दूसरी तरफ, मुस्कान नैन्सी जेम्स ने पहले हंसिका और उनके भाई पर घरेलू हिंसा और उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप लगाए थे और इसको लेकर एफआईआर भी दर्ज करवाई थी। हंसिका ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। उनका कहना है कि उनका अपने भाई और भाभी के घरेलू मामलों से कोई लेना–देना नहीं था, इसलिए उन्हें इस मामले में घसीटना ठीक नहीं है। अब यह मामला कोर्ट में है और आने वाले समय में इस पर सुनवाई होगी। फिलहाल, यह पूरा विवाद सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

बिग बॉस मराठी बना महाराष्ट्र का नंबर 1 नॉन–फिक्शन शो, रेटिंग्स में फिर साबित किया अपना दबदबा

बानिजय ग्रुप का हिस्सा, एंडेमोल शाइन इंडिया ने भारत के सबसे सफल इंडिपेंडेंट एंटरटेनमेंट पावरहाउस के रूप में अपनी एक अलग जगह बनाई है। वे इस सोच के साथ काम करते हैं कि दमदार एंटरटेनमेंट और कहानी कल्चर और पीढ़ियों की सीमाओं को पार कर सकती है। इसी विजन पर चलते हुए, इस स्टूडियो ने दुनिया भर के मशहूर फॉर्मेट्स को इंडियन ऑडियंस के लिए पेश किया है, जिन्होंने सालों तक स्क्रीन्स पर राज किया है, और उन्हें लोकल पसंद और माहौल के हिसाब से ढाला है। अभी जो खबर सुर्खियों में है, वो ये है कि बिग बॉस मराठी महाराष्ट्र का नंबर 1 नॉन–फिक्शन शो बन गया है और इस हफ्ते के सबसे ज्यादा रेटिंग वाले रियलिटी शो के रूप में चार्ट्स में टॉप पर है। यह कामयाबी इस बात का सबूत है कि शो को दर्शकों से कितना प्यार मिल रहा है, और इससे अलग–अलग भाषाओं में बिग बॉस फ्रेंचाइजी की बरकरार पॉपुलैरिटी और भी मजबूत हो गई है। इस खबर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, "एक के बाद एक हर भाषा में टॉप–रेटेड रियलिटी शो तैयार कर रहे हैं। बिग बॉस मराठी के इस रिकॉर्ड–तोड़ सीजन के पीछे होकर हम गर्व महसूस कर रहे हैं। शोरू बिग बॉस मराठी"लोकल फॉर्मेट अडैप्टेशन की यह कामयाबी मेकर्स के विजन का एक बड़ा सबूत है। बिग बॉस मराठी रेटिंग्स में लगातार अपना दबदबा बनाए हुए है, जो स्टूडियो की ऐसी दमदार कहानियाँ बनाने की काबिलियत को दिखाता है जो हर तरफ लोगों को पसंद आती हैं। देश में सबसे बड़े रियलिटी फॉर्मेट्स को लाने की शुरुआत करने वाले इस स्टूडियो ने नॉन–फिक्शन के मामले में बार–बार नए बेंचमार्क सेट किए हैं, और इसके शोज ने हर मार्केट में रिकॉर्ड बनाए हैं। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, रितेश देशमुख की होस्टिंग वाला इनका मौजूदा शो श्बिग बॉस मराठीश, जो अभी अपने छठे सफल सीजन में है, उसने एक शानदार उपलब्धि हासिल की है। बानिजय ग्रुप के एशिया लेबल का हिस्सा, एंडेमोल शाइन इंडिया, कंटेंट पावरहाउस बानिजय एंटरटेनमेंट और दीपक धर के बीच 2018 की शुरुआत में हुए एक जॉइंट वेंचर के तौर पर शुरू हुआ था। बनिजय एशिया भारत का लीडिंग इंडिपेंडेंट एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन हाउस है, जिसका इंडियन एंटरटेनमेंट की दुनिया में दबदबा है। पिछले कुछ सालों में, बानिजय एशिया ने द नाइट मैनेजर, द ट्रायल (द गुड वाइफ), होस्टेजेस, मिस्त्री (द मोंक), कॉल माई एजेंट बॉलीवुड जैसे कई सुपरहिट स्क्रिप्टेड अडैप्टेशन दिए हैं। साथ ही दहन, कैंपस बीट्स, मत्स्य कांड, अनदेखी और त्रिभंगा जैसे कई सफल ओरिजिनल्स भी बनाए हैं। कंटेंट स्टूडियो के आने वाले शोज में हाउस एमडी का इंडियन अडैप्टेशन भी शामिल है। नॉन–स्क्रिप्टेड के मामले में, बानिजय एशिया श्टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल, राइज एंड फॉल, इंटू द वाइल्ड विद बेयर ग्रिल्स, टेम्प्टेशन आइलैंड, द कपिल शर्मा शो, एमटीवी रोडीज, द वॉयस, द बिग पिक्चर, केस तो बनता है जैसे ब्लॉकबस्टर टाइटल्स के साथ इस जॉनर को लीड कर रहा है। एंडेमोल शाइन इंडिया के पास बिग बॉस जैसा विशाल शो है, जिसके 7 भाषाओं में 69 से ज्यादा सीजन हो चुके हैं।

सुपरस्टार अल्लू अर्जुन का धमाकेदार बर्थडे सरप्राइज, राका बनकर मचाएंगे तहलका

भारत के बिगेस्ट सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अपनी अगली एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ धमाका करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह एटली के साथ काम कर रहे हैं और दीपिका पादुकोण भी उनके साथ नजर आएंगी। यह एक भव्य, अल्लू अर्जुन के नेतृत्व वाली ब्लॉकबस्टर फिल्म बनने जा रही है। अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी शानदार पकड़ और दमदार फैन फॉलोइंग से पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। उनके हर नए प्रोजेक्ट का अपडेट दुनिया भर के फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। अल्लू अर्जुन हमेशा अपने फैंस को बड़े सरप्राइज देने के लिए जाने जाते हैं, और इस बार भी कुछ अलग नहीं है। अल्लू अर्जुन का जन्मदिन, जो पहले सिर्फ एक जश्न होता था, अब इंडस्ट्री के लिए एक खास दिन बन गया है, जहां हर साल बड़ी घोषणाएं होती हैं। इस बार यह और भी बड़ा, बोल्ड और पूरी तरह से अप्रत्याशित है। अपने जन्मदिन के मौके पर अल्लू अर्जुन ने एटली के साथ अपनी अगली फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया और साथ ही इसका टाइटल भी बताया। पोस्टर में अल्लू अर्जुन का एक बेहद चौंकाने वाला और पूरी तरह बदला हुआ लुक देखने को मिलता है। उनका यह अवतार पहले कभी नहीं देखा गया। एक भेड़िए जैसी फर वाली हाथ की आकृति, बड़े नुकीले पंजों के साथ उनके चेहरे का एक हिस्सा ढकती हुई नजर आती है, जबकि उनकी काजल से सजी तीखी आंखें ध्यान खींचती हैं। आधे गंजे और रफ हेयरस्टाइल के साथ 'राका' टाइटल का खुलासा, इस लुक को और भी दमदार और रहस्यमयी बनाता है। यह साफ करता है कि फिल्म एक बड़े सिनेमाई अनुभव देने वाली है,कुछ ऐसा जो सिर्फ अल्लू अर्जुन ही कर सकते हैं। यह एक बड़ा बदलाव है, खासकर उस स्टार के लिए जो हमेशा नई सीमाएं पार करने के लिए जाना जाता है। ऐसा लुक भारत ही नहीं, दुनिया भर में पहले कभी नहीं देखा गया। पोस्टर में डार्क बैकग्राउंड से निकलता हुआ भेड़िए जैसा हाथ और उसके तेज पंजे फिल्म के इंटेंस और रोमांचक माहौल को और मजबूत करते हैं। सबसे बड़ी भारतीय फिल्मों में से एक 'पुष्पा' की ऐतिहासिक सफलता के बाद उम्मीदें पहले से ही बहुत ऊंची थीं। लेकिन अपने करियर के शिखर पर भी सुरक्षित खेलने के बजाय, अल्लू अर्जुन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सबसे अलग हैं और एक सच्चे पैन–इंडिया सुपरस्टार हैं। हाल ही में सिनेमा में 23 शानदार साल पूरे करने वाले अल्लू अर्जुन की यात्रा हमेशा बोल्ड और निडर फैसलों से भरी रही है, जो हर बार सफल साबित हुए हैं। अलग–अलग किरदारों के साथ प्रयोग करना हो या कमर्शियल सिनेमा को नई दिशा देना, उन्होंने हमेशा सीमाओं को तोड़ा है और मनोरंजन के मूल तत्व को बनाए रखा है। हर फिल्म के साथ खुद को नए रूप में पेश करने और फिर भी दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता उन्हें एक सुपरस्टार ही नहीं, बल्कि एक अलग ही स्तर का फेनोमेनन बनाती है।इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, यह फिल्म पहली बार अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण को एक साथ लाती है। यह दो बड़े सितारों का साथ आना है, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और पैन–इंडिया अपील के लिए जाने जाते हैं। दोनों की जोड़ी इस फिल्म को एक बड़ी ब्लॉकबस्टर बनाने के लिए तैयार है, जहां टैलेंट, स्केल और स्टार पावर का जबरदस्त मेल देखने को मिलेगा। अल्लू अर्जुन का यह नया अवतार सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक विशाल सिनेमाई इवेंट की शुरुआत का संकेत है। अपने दमदार लाइनअप और नई सोच के साथ, अल्लू अर्जुन भारतीय सिनेमा में स्टारडम की परिभाषा को लगातार बदल रहे हैं। अगर जन्मदिन सरप्राइज के लिए जाने जाते हैं, तो अल्लू अर्जुन ने अपने जन्मदिन को एक ऐसे वार्षिक उत्सव में बदल दिया है, जिसका इंतजार दुनियाभर के फैंस हर साल करते हैं।

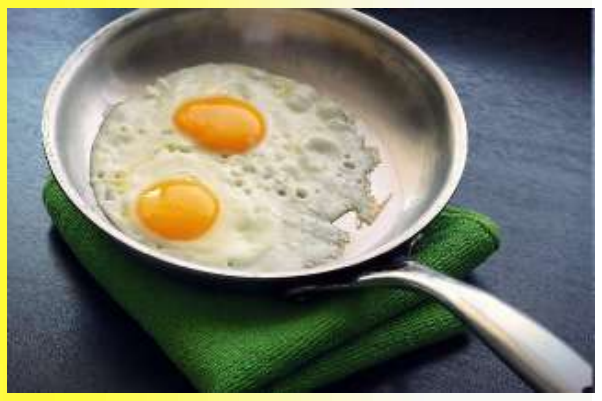

फ्राईपैन से बिल्कुल भी नहीं चिपकेगा अंडा, बस बनाते समय ध्यान में रखें ये ज्पचे

अंडा बहुत से लोग नाश्ते में खाना पसंद करते हैं। इस पर कही कहावतें भी बनी हैं जैसे संडे हो या मंडे रोज खाओ अंडे। क्योंकि यह हैल्थ के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है इसलिए काफी लोग इसका सेवन करना पसंद करते हैं। अंडे से ऑमलेट, सब्जी, करी, बॉयल एग जैसी कई रेसिपीज तैयार की जाती हैं। इससे बनाना भी आसान होता है पंरतु अंडे को ओवर कुक नहीं करना चाहिए इससे इसमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं। कई बार तो बनाते समय अंडा पैन से भी चिपक जाता है। अगर आपका भी अंडा बनाते समय पैन से चिपकता है तो आप कुछ आसान हैक्स इस्तेमाल कर सकती हैं। तो आइए जानते हैं इनके बारे में...

पैन के तापमान पर दें ध्यान

अंडा तलने के लिए आप हमेशा नॉनस्टिकी पैन का ही इस्तेमाल करें। इसके साथ अंडा चिपकेगा भी नहीं परंतु यदि पैन के साथ अंडा चिपकता है तो आप इसका तापमान बदलें। इस बात का ध्यान रखें कि न पैन ज्यादा गर्म हो और न ही गैस का फ्लैम ज्यादा लॉ हो। यदि ऐसा हुआ तो अंडा नीचे से जल सकता है या फिर ऊपर से ही कच्चा रह जाएगा।

नमक आएगा काम

इसके अलावा यदि आप चाहते हैं कि अंडा पैन से न चिपके तो इसके लिए आप नमक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। गैस पर पैन रखें और हल्की आंच पर गर्म कर लें। जैसे पैन गर्म हो जाए तो उसमें चुटकी भर नमक डाल दें। इससे अंडा पैन से नहीं चिपकेगा और स्वाद भी बनेगा।

मक्खन से बढ़ेगा स्वाद

यदि आप चाहती हैं कि अंडा स्वाद बने तो आप तेल की जगह मक्खन का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे एग स्वाद भी बनेगा और इसको एक क्रीमी टेस्ट भी मिलेगा। तेल की जगह आप नमक या फिर बिना नमक वाला मक्खन इस्तेमाल कर सकती हैं।

बिना चोट के भी हर वक्त बॉडी में रहता है दर्द, तो पहले समझो पूरी परेशानी और फिर करना इलाज

बहुत से लोग कंधों में दर्द, पीठ में अकड़न या पैरों में थकान के साथ जागते हैं। न कोई चोट लगी होती है, न कोई भारी सामान उठाया होता है, और न ही लंबी दौड़ लगाई होती है फिर भी शरीर में दर्द और सुस्ती महसूस होती है। आज की जीवनशैली में लंबे समय तक बैठे रहना, अनियमित नींद, तनाव और खराब खान–पान शामिल हैं। समय के साथ, ये कारक शरीर में हल्के दर्जे की सूजन पैदा कर देते हैं। यह सूजन मांसपेशियों और जोड़ों को कोमल या थका हुआ महसूस करा सकती है।

शरीर में लगातार दर्द के मुख्य कारण

इन्फेक्शन (संक्रमण): फ्लू, कोविड–19 या किसी वायरल,बैक्टीरियल इन्फेक्शन में पूरे शरीर में दर्द और कमजोरी महसूस होती है।

विटामिन की कमी: खासकर विटामिन डी की कमी और विटामिन बी12 की कमी से हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द बना रहता है।

लगातार तनाव: मेंटल स्ट्रेस का असर शरीर पर भी पड़ता है। इससे मसल्स टाइट हो जाती हैं और गर्दन, पीठ व कंधों में दर्द रहने लगता है।

खराब नींद: अगर नींद पूरी नहीं हो रही या बार–बार टूट रही है, तो शरीर ठीक से रिकवर नहीं करता और हर वक्त दर्द महसूस हो सकता है।

पानी की कमी: कम पानी पीने से मांसपेशियों में जकड़न और दर्द बढ़ जाता है।

लंबे समय तक बैठे रहना: एक ही पोजीशन में घंटों बैठना या काम करना शरीर को अकड़ा देता है, जिससे पूरे शरीर में दर्द रहता है।

क्रॉनिक बीमारियां: जैसे फाइब्रोमायल्जिया या ऑटोइम्यून रोगकृ इनमें बिना वजह लंबे समय तक दर्द बना रहता है।

हार्मोनल बदलाव: खासकर महिलाओं में पीरियड्स, प्रेग्नेंसी या थायरॉइड जैसी समस्याओं में शरीर दर्द सामान्य हो सकता है।

दर्द कम करने वाली आसान आदतें

दिनभर में पर्याप्त पानी पिएं: डिहाइड्रेशन मांसपेशियों में जकड़न और दर्द बढ़ाता है। रोज कम से कम 7–8 गिलास पानी पीने की आदत डालें।

हल्की स्ट्रेचिंग और मूवमेंट करें: पूरे दिन बैठे रहने से शरीर अकड़ जाता है। सुबह–शाम 5–10 मिनट की स्ट्रेचिंग या हल्की वॉक जरूर करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

नींद को प्राथमिकता दें: 7–8 घंटे की गहरी नींद शरीर को रिपेयर करने में मदद करती है। नींद पूरी न होने से दर्द और थकान बढ़ती है।

धूप जरूर लें: सुबह की धूप शरीर में विटामिन डी बनाने में मदद करती है, जो हड्डियों और मांसपेशियों के लिए जरूरी है।

स्ट्रेस कम करें: लगातार तनाव शरीर में दर्द का बड़ा कारण है। रोज 10–15 मिनट मेडिटेशन, गहरी सांस या योग करें।

संतुलित आहार लें: डाइट में हरी सब्जियां, फल, दालें, दूध, अंडे और नट्स शामिल करें ताकि शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिल सकें।

गर्म पानी या सिकाई करें: दर्द वाली जगह पर हल्की गर्म सिकाई करने से मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं और दर्द कम होता है।

लंबे समय तक एक ही पोजीशन में न रहें: हर 30–40 मिनट में उठकर थोड़ा चलें या बॉडी को स्ट्रेच करें, खासकर अगर आप लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं।

कब डॉक्टर से मिलें?

अगर दर्द कई दिनों तक बना रहे, बहुत ज्यादा बढ़ जाए या इसके साथ बुखार, सूजन या कमजोरी महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

स्किन चमकाने से लेकर बालों तक के लिए फायदेमंद है चुकंदर का छिलका, जानें 5 फायदे

चुकंदर के फायदों को तो आप सभी जानते होंगे। स्वस्थ शरीर से लेकर स्किन की सुंदरता के लिए चुकंदर काफी फायदेमंद होता है। चुकंदर एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसमें फाइबर, मैंगनीज, पोटेशियम, फोलेट, आयरन और विटामिन्स जैसे कई जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए डॉक्टर भी दैनिक आहार में चुकंदर को शामिल करने की सलाह देते हैं। लेकिन आप सभी चुकंदर के छिलकों को बेकार समझ कर फेंक देते होंगें।

अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आपको चुकंदर के छिलकों के कुछ फायदों को जानना आवश्यक है। इन फायदों को जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे और अब से इनके छिलकों को फेंकना बंद कर देंगे। चुकंदर ही नहीं बल्कि इसके छिलके भी काफी फायदेमंद होते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चुकंदर के छिलकों के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं।

लिप स्क्रब

हवा ठंडी हो या गर्म इसका असर हमारे स्किन पर भी पड़ता है। जिसके कारण होंठ सबसे पहले रूखे होने लगते हैं। चेहरे के साथ ही हवाएं होठों की नमी भी चुरा लेती हैं। ऐसे में चुकंदर का छिलका आपके काम आ सकता है। इसके लिए आप चुकंदर के छिलके को कद्दूकस से कस लें और फिर उसमें चीनी मिला लें। अब इसको उंगलियों की मदद से होठों पर स्क्रब करें। इससे आपके होठों पर जमी डेड स्किन सेल्स दूर हो जाएगी। साथ ही आपके होठों की नेचुरल रंग वापस आ जाएगा।

टोनर

क्या आप जानते हैं कि चुकंदर के छिलके का टोनर बना सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले चुकंदर के छिलकों को रात भर पानी में भिगों लें। फिर सुबह इस पानी को छानकर एक बोतल में भर लें। अब इस पानी को आप टोनर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही इसको रोजाना फेस पर लगाने से चेहरे की ताजगी के साथ चेहरे पर ग्लो आएगा।

फेस मास्क

चुकंदर में मौजूद विटामिन सी हमारी स्किन के लिए फायदेमंद होता है। अगर आप भी अपने फेस की खोई चमक को वापस पाना चाहते हैं तो चुकंदर का छिलका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले चुकंदर के छिलकों को कुछ समय के लिए पानी में भिगो दें। जब पानी का रंग बदल जाए तो छिलका निकालकर उसमें नींबू का रस मिला दें। अब इससे आप अपने फेस की मसाज करें और आधें घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। फिर साफ पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने से जल्द ही फेस पर निखार आएगा और डेड स्किन सेल्स भी दूर हो जाएंगे।

डैंड्रफ

चुकंदर में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं। अगर आप भी डैंड्रफ से परेशान हैं तो इसका उपाय चुकंदर के छिलकों में है। चुकंदर के छिलके के रस में सिरका और नीम का पानी मिला लें। फिर इसे बालों में लगा कर 15–20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद पानी से बालों को धुल लें। इस उपाय से आपको डैंड्रफ से छुटकारा मिल जाएगा।

खुजली

आपके बालों में होने वाली खुजली के इलाज में चुकंदर के छिलके बेहद फायदेमंद होते हैं। अंदरूनी हिस्से को स्कैल्प पर चुकंदर के छिलके के रगड़ें। ऐसा करने से आपको खुजली से राहत मिलने के साथ ही डेड स्किन सेल्स भी निकल जाएगा। 15 मिनट तक छिलकों को रगड़ने के बाद बालों को धो लें।

पीरियड में नमकीन ज्यादा खाने से बढ़ सकती है ऐंठन की परेशानी! इन 5 बातों का रखें ध्यान

महिलाओं के लिए पीरियड्स के 5–6 दिन काफी तकलीफ देने वाले होते हैं। इसमें पेट, कमर, सिरदर्द, पेट में ऐंठन, क्रैम्प, चिड़ाचिड़ापन, मूड स्विंग जैसी कई समस्याएं होती हैं। इतना ही नहीं, प्रॉपर हाइजीन का भी ध्यान रखना पड़ता है वरना इंफेक्शन का खतरा बना रहता है। अगर पीरियड्स में हाईजीन का ख्याल नहीं रखा तो बीमारियों का जोखिम भी बढ़ जाता है। आइए आपको बताते हैं ऐसी कौन सी चीजें हैं जो पीरियड्स में महिलाओं को करने से बचनी चाहिए...

प्राइवेट पार्ट को साफ रखें

रिसर्च की मानें तो पीरियड्स के दौरान प्राइवेच पार्ट को साफ जरुर रखें, लेकिन बार–बार प्राइवेट पार्ट को साफ करने से बचें। महिलाओं का प्राइवेट पार्ट बहुत ही नाजुक होता है। इसे ओवरवॉश करने से प्राइवेट पार्ट में मौजूद माइक्रोबायोम का लेवल कम हो सकता है। ऐसे में साफ और तरो–ताजा रहने के लिए सिर्फ गुनगुने पानी से स्नान करना ही पर्याप्त होता है। खासकर, हानिकारक केमिकल युक्त वेजाइनल वॉशेज, साबुन के इस्तेमाल से योनि में मौजूद प्राकृतिक बैक्टीरिया को नुकसान पहुंच सकता है। इससे इर्रिटेशन, जलन हो सकती है। यदि खराब स्मेल आ रही है, तो यह बैक्टीरिया या फंगल के बढ़ने के कारण हो सकता है।

कॉफी

कॉफी पीना किसे नहीं अच्छा लगता है, लेकिन जब आपको पीरियड्स हो, तो कैफीन का सेवन कम करें। कैफीन पेट में होने वाले ऐंठन को बदतर बना सकता है, क्योंकि यह आपकी रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर सकता है।

पैड बदलते रहें

प्राइवेट पार्ट में हाइजीन मेंटेन करने करने के लिए सबसे ज्यादा जरुरी है पैड बदलते रहना। कभी भी लगातार 6–7 घंटे तक एक ही पैड न रखें, इससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इससे स्किन रैशेज भी हो सकते हैं।

एक्सरसाइज करें

पीरियड्स के दौरान सारा दिन बिस्तर पर ना लेटी रहें। बेशक, आपको दर्द हो रहा हो, चिड़चिड़ापन महसूस हो रहा हो, लेकिन जब भी दर्द कम हो, तो थोड़ी देर चलें–फिरें। आप जो भी एक्सरसाइज करती हैं, उसे जरूर करें। शारीरिक रूप से खुद को एक्टिव रखने की कोशिश करें।

ज्यादा नमकीन खाने से बचें

बहुत ज्यादा नमकीन खाने से पीरियड्स में होने वाले ऐंठन बहुत ज्यादा बढ़ सकते हैं, जिससे वाटर रिटेंशन हो सकता है। ऐसा कई महिलाओं को उनके पीरियड्स के दौरान अनुभव होता है। बहुत ज्यादा मीठा खाने से भी बचें। मीठी चीजें, कैफीन और अल्कोहल आपके शरीर में केमिकल पैदा करते हैं, जो दर्द रिसेप्टर्स को बढ़ाते हैं, जिससे आपको और भी खराब महसूस हो सकता है। ऐसे में ढेर सारे फल एवं सब्जियां खाएं। खूब पानी या हर्बल टी पिएं।

संक्षिप्त

भारत के खिलाफ टेस्ट मैच से बाहर रह सकते हैं राशिद खान, क्यों लाल गेंद प्रारूप से बना रहे दूरी?

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने भारत के खिलाफ जून में होने वाले एकमात्र टेस्ट में खेलने पर संदेह जताया है। उनका कहना है कि लाल गेंद क्रिकेट उनकी लंबी करियर की संभावनाओं के लिए जोखिम भरा हो सकता है। राशिद फिलहाल आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अफगानिस्तान को जून में न्यू चंडीगढ़ में भारत के खिलाफ टेस्ट मैच खेलना है, लेकिन राशिद ने स्वीकार किया कि इस मैच में उनके खेलने की संभावना कम है। राशिद ने कहा, मैं पहले भी एक टेस्ट खेल चुका हूं। मैं बस आराम से खेलूंगा। मैं नहीं चाहता कि मेरी पीठ में कोई इंजरी हो। मैं 100 टेस्ट मैच नहीं खेल सकता। लाल गेंद प्रारूप का क्रिकेट थोड़ा मुश्किल है क्योंकि मेरे डॉक्टर ने मुझसे कहा था कि इससे दूर रहो। फिर भी मैंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 67 ओवर फेंके, जिससे डॉक्टर हैरान रह गए। वनडे क्रिकेट मुझे पसंद है और मेरा ध्यान इस फॉर्मेट पर है। मैं इसमें लंबे समय तक खेल सकता हूं। लाल गेंद क्रिकेट को सीमित रखना पड़ेगा। साल में एक टेस्ट है तो मैं उसे खेल लूंगा, लेकिन उससे ज्यादा मैनेज करना मुश्किल होगा। राशिद ने कहा कि अगर वह टीम का हिस्सा हैं तो उन्हें पूरे दिन गेंदबाजी करनी पड़ेगी। राशिद ने कहा, श्मुझे सावधानी बरतना है और खुद को वनडे विश्व कप के लिए तैयार करना है।श दिग्गज लेग स्पिनर के बयान से स्पष्ट हो गया है कि भविष्य में वह अपना फोकस वनडे पर रखना चाहते हैं। राशिद ने अब तक अफगानिस्तान के 12 टेस्ट में सिर्फ छह में हिस्सा लिया है और आखिरी बार जनवरी 2025 में जिम्बाब्वे के खिलाफ बुलावायो में खेला था। 2023 वनडे विश्व कप के बाद उनकी पीठ की सर्जरी ने लाल गेंद क्रिकेट में उपलब्धता सीमित कर दी है।

फंसे निर्यातकों को राहत दिलाने के लिए डीजी शिपिंग का आदेश, पोर्ट्स को पारदर्शिता बरतने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के महानिदेशालय शिपिंग ने देश के सभी बंदरगाहों को निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में फंसे निर्यातकों को दी जाने वाली रियायतों का पूरा लाभ पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। जारी सर्कुलर में कहा गया है कि कई मामलों में पोर्ट अथॉरिटीज की ओर से दी गई रियायतें जैसे डिटेंशन चार्ज, ग्राउंड रेंट और रीफर प्लग–इन शुल्क निर्यातकों

तक समान रूप से नहीं पहुंच रही हैं। ऐसे में अब इन रियायतों को सीधे और पारदर्शी तरीके से संबंधित हितधारकों, जैसे फ्रेट फॉरवर्डर्स और छटव्ब्े के माध्यम से निर्यातकों तक पहुंचाना अनिवार्य किया गया है। डीजी शिपिंग ने पोर्ट अथॉरिटीज को यह भी जिम्मेदारी दी है कि वे टर्मिनल स्तर पर इसकी निगरानी करें, ताकि किसी भी तरह की देरी या गड़बड़ी न हो और लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे। यह कदम 497 करोड़ रुपये की निर्यात सुविधा हेतु लचीलापन और लॉजिस्टिक्स हस्तक्षेप (त्म्स्प्थ्) योजना के तहत निर्यातकों को राहत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है, ताकि संकट के बीच व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित न हों। साथ ही, शिपिंग लाइनों को निर्देश दिया गया है कि वे शुल्क निर्धारण में पूरी पारदर्शिता और ऑडिट की सुविधा सुनिश्चित करें। डीजी शिपिंग ने यह भी कहा कि कार्गो पर लगाए जा रहे वार रिस्क प्रीमियम में बदलाव हुए हैं, जो पहले जारी निर्देशों के अनुरूप नहीं हो सकते। इस मुद्दे को बीमा कंपनियों के साथ उठाया जा रहा है। इसी बीच, ईरान के आसपास के समुद्री क्षेत्र में काम कर रहे भारतीय नाविकों के लिए भी सुरक्षा सलाह जारी की गई है। सलाह में कहा गया है कि तट पर मौजूद नाविक घर के भीतर रहें, संवेदनशील इलाकों से दूर रहें और भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें। जहाजों पर तैनात कर्मियों को अनावश्यक रूप से किनारे पर जाने से बचने और सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। डीजी शिपिंग ने सभी कर्मियों से आधिकारिक निर्देशों का पालन करने और लगातार संपर्क में रहने को कहा है।

विक्रम मिस्री का तीन दिन का अमेरिका दौरा, वार्ता में व्यापार, प्रौद्योगिकी और रक्षा पर जोर

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका अपने कई क्षेत्रों में व्यपार को बढ़ाने के लिए बातचीत कर रहा है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपने तीन दिवसीय अमेरिकी दौरे के दौरान कई उच्चस्तरीय

बैठकें की। दोनों देशों ने व्यापार, रक्षा और जरूरी तकनीक के मामले में बातचीत बढ़ाई है। यह बातचीत पेंटागन और भारत के वाणिज्य विभाग के बीच हुई। इसके साथ ही व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए एक नए डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचने वाली पहल पर भी चर्चा की गई। भारत के विदेश सचिव मिस्री और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने मिलकर भारत–अमेरिकी व्यापार फैसिलिटेशन पोर्टल लॉन्च किया।

मिलर की एक गलती पड़ी भारी : दो गेंदों पर चाहिए थे दो रन, फिर भी हारी दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया आईपीएल 2026 का मुकाबला रोमांचक मोड़ पर जाकर खत्म हुआ। दिल्ली की टीम आसानी से ये मैच जीत रही थी, लेकिन अंतिम दो गेंदों पर कुछ ऐसा हुआ जिसकी कल्पना किसी क्रिकेट प्रशंसक ने नहीं की थी। डेविड मिलर शानदार पारी खेलकर दिल्ली की जीत दिलाने के करीब थे, लेकिन 20वें ओवर की पांचवीं गेंद पर उन्होंने एक ऐसी गलती कर दी जो अंत में टीम पर भारी पड़ गई।

गुजरात ने खोला जीत का खाता

दिल्ली ने टॉस जीतकर गुजरात को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। गुजरात ने शुभमन गिल (70), वाशिंगटन सुंदर (55) और जोस बटलर (52) की अर्धशतकीय पारियों से 20 ओवर में चार विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 209 रन ही बना सकी। उनके लिए केएल राहुल ने सर्वाधिक 92 रनों की पारी खेली। दिल्ली ने लखनऊ सुपर जाएंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच छह–छह विकेट के अंतर से जीते थे। दिल्ली फिलहाल अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। दूसरी ओर, गुजरात की टीम पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच गंवा चुकी थी, जिसके बाद आखिरकार गुजरात ने जीत का खाता खोला है। यह टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है।

केएल राहुल चमके

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को पथुम निसांका और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। अच्छी शुरुआत के बाद दिल्ली की पारी लड़खड़ाई और टीम ने 101 के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए। यहां से केएल राहुल ने मोर्चा संभालते हुए डेविड मिलर के साथ चौथे विकेट के लिए 35 रन जुटाए। मिलर ने दिल्ली के खाते में 12 रन का योगदान दिया और वह रिटायर्ड हर्ट होकर लौट गए। केएल राहुल ने बेहतरीन पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत दिलाने से पहले आउट हो गए। मिलर फिर मैदान पर उतरे और उन्होंने साहसिक खेल दिखाया। मिलर इस मैच में 41 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

कैसी दिल्ली ने जीती बाजी गंवाई

आईपीएल के इस रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच आखिरी ओवर तक सांसें थाम देने वाली जंग देखने को मिली।

असली टर्निंग पॉइंट बना 20वें ओवर की पांचवीं गेंद पर लिया गया एक फैसला। जब प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर डेविड मिलर ने एक रन नहीं लिया। विपराज निगम और डेविड मिलर क्रीज पर मौजूद थे। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने 20वां ओवर डालने के लिए प्रसिद्ध कृष्णा को गेंद थमाई।

पहली गेंद : विपराज निगम ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर शानदार चौका जड़ा। (अब पांच गेंदों में नौ रन)

दूसरी गेंद : अगली ही गेंद पर निगम आउट हो गए। शुभमन गिल ने शानदार कैच लपका। (अब चार गेंदों में नौ रन) कुलदीप क्रीज पर आए।

तीसरी गेंद : कुलदीप ने सिंगल लेकर स्ट्राइक डेविड मिलर को दी। (अब तीन गेंदों में आठ रन)

चौथी गेंद : मिलर ने छक्का लगाकर मैच पूरी तरह पलट दिया। (अब दो गेंदों में दो रन)

पांचवीं गेंद : मिलर ने सिंगल लेने से मना किया, जबकि रन आसानी से मिल सकता था। यही टर्निंग प्वाइंट बना। (अब एक गेंद में चाहिए थे दो रन)

छठी और आखिरी गेंद : मिलर शॉट खेलते ही रन के लिए दौड़ पड़े, तभी विकेट के पीछे खड़े जोस बटलर ने फुर्ती दिखाते हुए डायरेक्ट हिट किया और कुलदीप रनआउट हो गए। इस तरह दिल्ली की टीम एक रन से मैच हार गई।

अगर पांचवीं गेंद पर मिलर सिंगल लेते तो स्कोर बराबर हो जाता। ऐसे में आखिरी गेंद पर रन नहीं भी बनता तो मैच का नतीजा सुपर ओवर में निकलता। लेकिन मिलर का सिंगल नहीं लेना टीम को भारी पड़ गया।

सच का सामना करने से डरे बाबर आजम! कोहली से तुलना के सवाल पर पत्रकार से ही भिड़े

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भारत से स्टार खिलाड़ी विराट कोहली से तुलना करने के सवाल पर पत्रकार से ही भिड़ गए। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में पेशावर जाल्मी की हैदराबाद किंग्समैन के खिलाफ जीत के बाद बाबर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने आए, लेकिन जैसे ही पत्रकार ने कोहली से उनकी तुलना करते हुए सवाल किया तो बाबर बिफर गए। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। मैच के बाद एक पत्रकार ने बाबर से कोहली की तुलना करते हुए प्रश्न किया। पत्रकार का कहना था कि भारत के पूर्व कप्तान लगातार मैच खत्म करने के लिए जाने जाते हैं। पत्रकार ने बाबर से कहा कि वह कोहली की तरह मैच फिनिश नहीं कर पाते हैं, इस पर क्या कहेंगे। पत्रकार ने सवाल किया, विराट कोहली के शॉट्स की रेंज आपसे मिलती–जुलती है, लेकिन वो लगातार मैच को फिनिश करते हैं जो कि लोग कहते हैं कि आपमें इसकी कमी है। चूंकि कई लोग आपकी तुलना उनसे करते हैं तो इस तुलना पर आपके क्या विचार हैं?

कोहली के साथ तुलना को खत्म करने कहा

बाबर पत्रकार के इस सवाल से चिढ़ गए और उन्होंने कोहली के साथ तुलना को दृढ़ता से खारिज कर दिया। बाबर ने पत्रकार से ऐसी तुलना बंद करने को कहा और जोर देकर कहा कि यह एक गलत धारणा है कि उन्होंने मैच फिनिश नहीं किए हैं। बाबर ने कहा, चलिए इसे यहीं खत्म करते हैं। ऐसे विचार अपने तक ही रखें। तुलना करना बंद करें और आगे बढ़ें। यह आपकी गलतफहमी है कि मैंने मैच फिनिश नहीं किए हैं।

आंकड़ों में कोहली बाबर से काफी आगे

बाबर की बल्लेबाजी, स्ट्रोकप्ले और पारी को संभालने की क्षमता के कारण वर्षों से उनकी तुलना कोहली से की जाती रही है। 2021 में यह तुलना तब और बढ़ने लगी जब बाबर ने आईसीसी रैंकिंग में नंबर 1 वनडे बल्लेबाज के रूप में कोहली के 1258 दिनों के दबदबे को खत्म किया और 2023 में वे मात्र 97 पारियों में 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे।

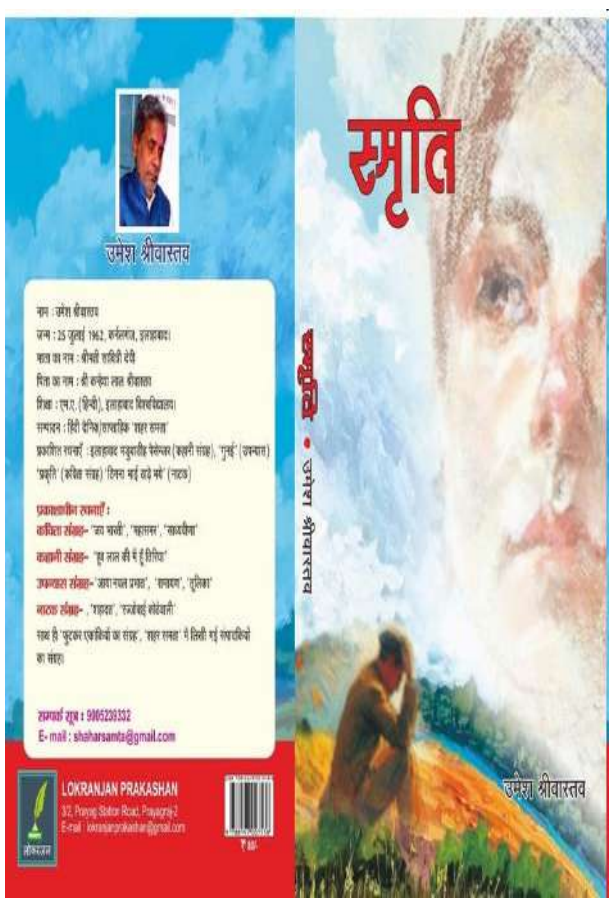

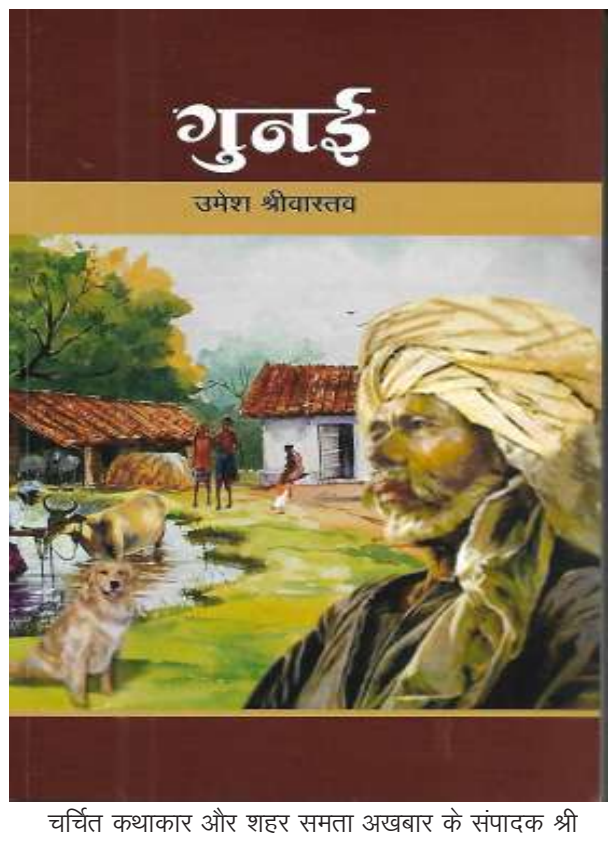

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

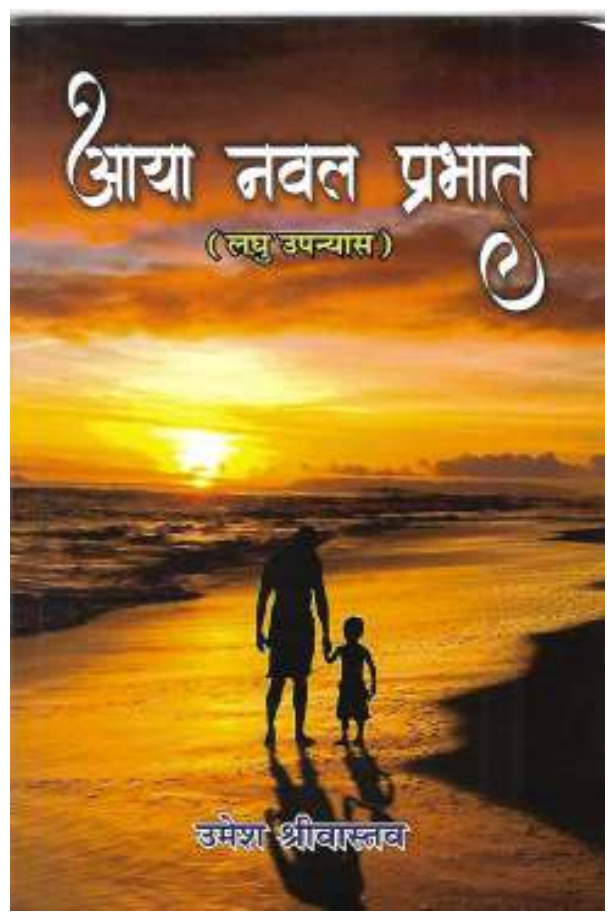

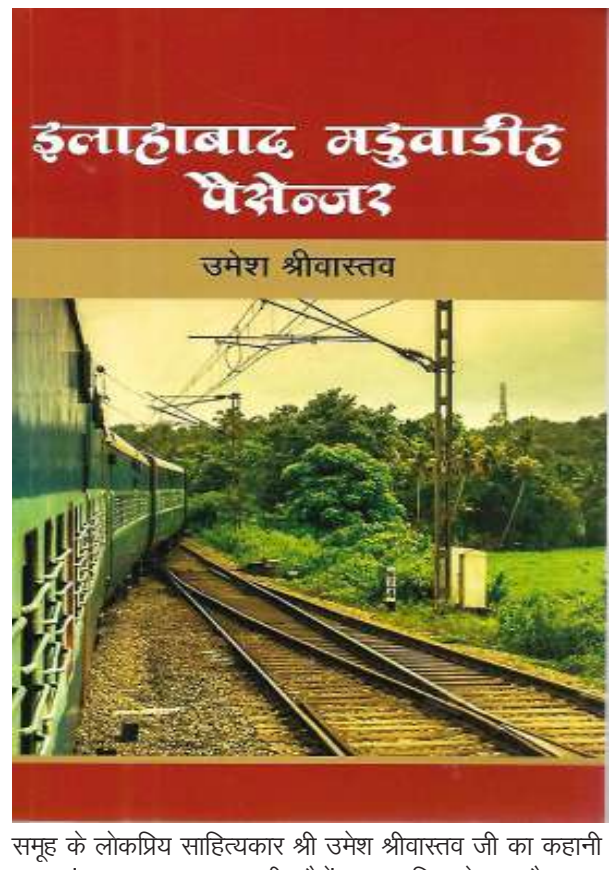

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

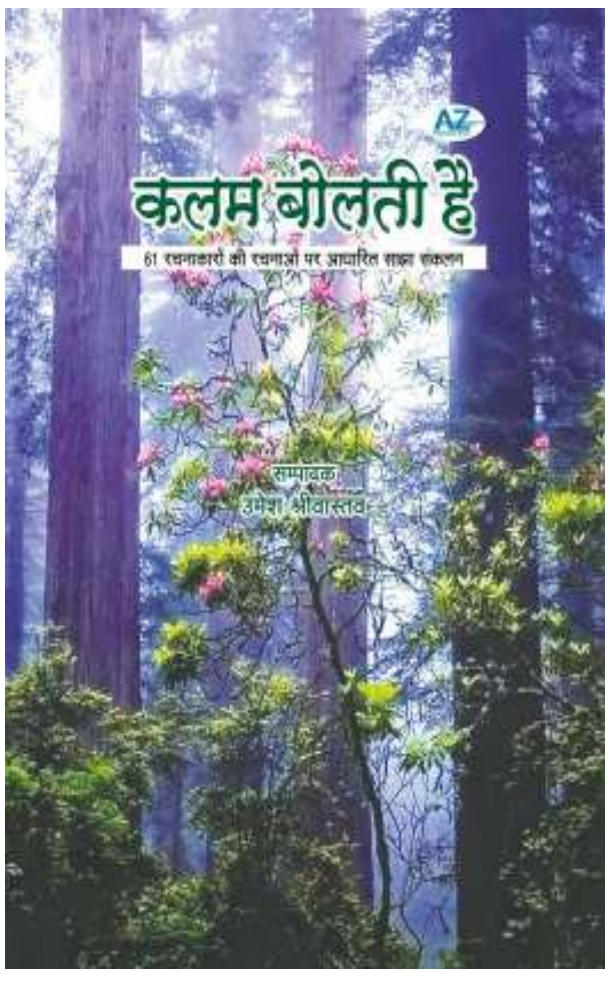

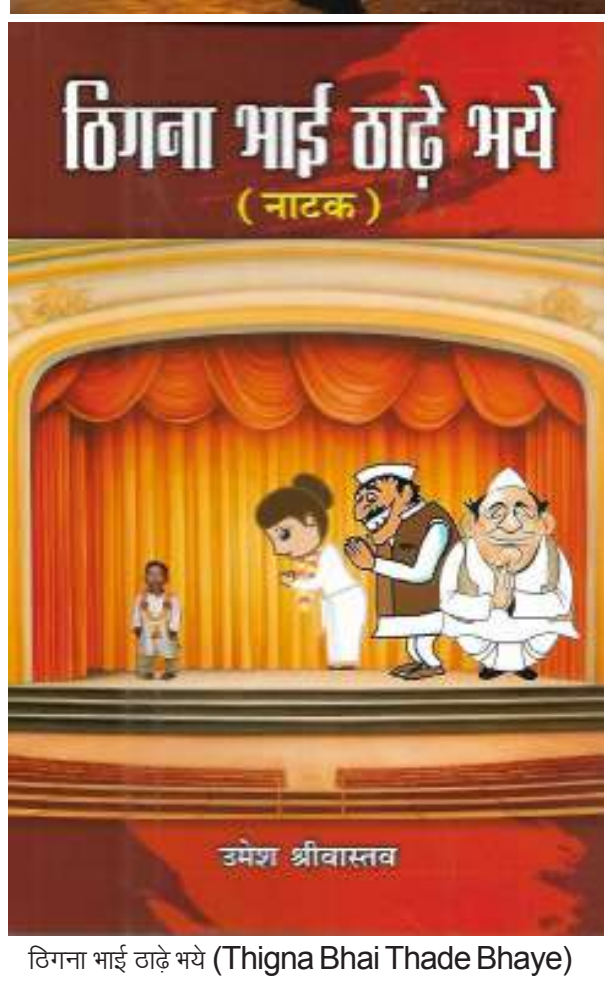

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

शरीफ की होशियारी की खुली पोल, यूएस ने बताया सीजफायर की जानकारी शेयर करने से पहले ट्रंप ने किया था चेक

ईरान युद्ध विराम को लेकर अब एक अहम खुलासा सामने आया है, जो बताता है कि पूरी प्रक्रिया के पीछे अमेरिका और पाकिस्तान के बीच गहरी कूटनीतिक बातचीत चल रही थी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जो सोशल मीडिया पोस्ट कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से डेडलाइन बढ़ाने की

अपील की थी, वह पोस्ट पहले ही व्हाइट हाउस की मंजूरी से तैयार किया गया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, शरीफ के पोस्ट करने से पहले ही व्हाइट हाउस उस बयान को देख चुका था और उसे हरी झंडी दे चुका था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब ट्रंप ने ईरान को मंगलवार रात 8 बजे तक की सख्त डेडलाइन दी थी और क्षेत्र में तनाव चरम पर था। इसी बीच पाकिस्तान ने दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने और एक समझौता कराने की कोशिश की। इसी कड़ी में शरीफ ने सोशल मीडिया का सहारा लेते हुए ट्रंप से दो हफ्ते का समय बढ़ाने की सार्वजनिक अपील की। अपने पोस्ट में शरीफ ने ट्रंप की शैली में कहा कि कूटनीति लगातार, मजबूती से और प्रभावशाली ढंग से आगे बढ़ रही है। उन्होंने ट्रंप और उनके शीर्ष सलाहकारों को टैग करते हुए डेडलाइन बढ़ाने का आग्रह किया। हालांकि, इस पोस्ट के पीछे असली कहानी और भी अहम थी। व्हाइट हाउस, जो एक ओर ईरान पर कड़ा रुख अपनाए हुए था और सख्त बयान दे रहा था, वहीं दूसरी ओर पर्दे के पीछे इस संकट का कूटनीतिक समाधान भी तलाश रहा था। शरीफ के पोस्ट में शुरुआत में 'Draft & Pakistan's PM Message on X' लिखा होने के कारण सोशल मीडिया पर यह अटकलें भी तेज हो गईं कि यह बयान सीधे ट्रंप या उनकी टीम द्वारा तैयार किया गया है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस दावे से इनकार किया और कहा कि ट्रंप ने यह बयान खुद नहीं लिखा। वहीं, पाकिस्तानी दूतावास की ओर से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इस पूरी कूटनीतिक कवायद का असर भी तेजी से देखने को मिला। शरीफ के पोस्ट के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने ईरान के साथ दो हफ्ते के युद्ध विराम पर सहमति जताने का एलान कर दिया। गौरतलब है कि इस घटनाक्रम से पहले शहबाज शरीफ को सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा था और उनके पोस्ट को लेकर सवाल उठाए गए थे। लेकिन अब सामने आई जानकारी से साफ है कि यह कदम एक बड़े अंतरराष्ट्रीय समन्वय का हिस्सा था, जिसमें अमेरिका की सीधी भागीदारी थी।

पूर्ण समझौते तक होर्मुज के आसपास अमेरिकी सेना रहेगी, संघर्ष विराम पर भी दी चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि जब तक श्असली समझौताश पूरी तरह से लागू नहीं हो जाता, तब तक अमेरिकी सेना और उसके घातक हथियार ईरान को घेरे रखेंगे। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि ईरान ने अपने वादे को तोड़ा, तो इसके परिणाम बहुत गंभीर होंगे। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में एक अस्थायी सीजफायर की घोषणा के बाद

एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा संदेश देते हुए चेतावनी दी है कि अगर यह समझौता टूटता है, तो ईरान के खिलाफ पहले से कहीं अधिक घातक कार्रवाई की जाएगी। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह के लिए एक सीजफायर घोषित किया गया था। हालांकि, सीजफायर की शर्तों को लेकर दोनों पक्षों के बीच काफी मतभेद भी नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने पहले भी ईरान को चेतावनी दी थी कि यदि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज नहीं खोला गया तो बड़े पैमाने पर हमले किए जाएंगे। वहीं, ट्रंप के इस बयान को ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका ईरान को परमाणु क्षमता हासिल करने की अनुमति कभी नहीं देगा और क्षेत्र में शांति तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक कदम उठाएगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने एक बार फिर गंभीर रूप ले लिया है। इंटरनेशनल कमेटी ऑफ द रेड क्रॉस ने लेबनान पर भारी इस्राइली हवाई हमलों को भयावह मौत और विनाश बताते हुए कड़ी नाराजगी व्यक्त की है।

अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम में जीत किसकी? पूर्व राजनयिक बोले- युद्ध का कोई विजेता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व राजनयिक अशोक सज्जनहार ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए अस्थायी युद्धविराम पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि ऐसे किसी भी अस्थायी समझौते की स्थिति में, सभी पक्ष अपनी जीत का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस युद्ध विराम में भी यही देखने को मिला है, जहां ईरान, अमेरिका और यहां तक कि इस्राइल भी अपनी जीत का दावा कर रहा है, जबकि वास्तव में युद्ध का कोई स्पष्ट विजेता नहीं है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

आतंक का पनाहगाह पाकिस्तान ऐसे बना यूएस-ईरान समझौते का जरिया, ट्रंप को दिए लालच, अर्थव्यवस्था सौंपने को भी तैयार

ईरान और अमेरिका के बीच बीते एक महीने से ज्यादा समय से जारी युद्ध कुछ दिन के लिए टल गया है। दोनों देशों के बीच हुए इस युद्ध विराम में पाकिस्तान, तुर्किये और मिस्र ने भी भूमिका निभाई है। अब आगे के समझौते के लिए ईरान और अमेरिका इस्लामाबाद में मिलेंगे।

भले ही पाकिस्तान ने इस संघर्ष को रुकवाने के लिए लगातार ट्रंप प्रशासन और ईरानी शासन के बीच संदेशों का आदान-प्रदान किया, लेकिन यह युद्ध विराम भी सिर्फ अस्थायी ही है और दो हफ्तों के लिए तय किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उसके फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के जिक्र के बाद कई तरह की चिंताएं जताई जा रही हैं।

विश्लेषकों की तरफ से यह चिंता जताई गई है कि आखिर कैसे लंबे समय तक अपनी आतंकी गतिविधियों और आतंकवादियों के सुरक्षित पनाहगाह बने रहने की वजह से अलग-थलग हुआ पाकिस्तान अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर दो देशों के बीच युद्ध विराम के लिए बातचीत का जरिया बन रहा है? वह भी तब जब इस युद्ध के बीच खुद पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में तालिबान पर हमलों के नाम पर वहां आम लोगों को निशाना बनाया है। आखिर डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार शासन में आने के बाद से ऐसा क्या-क्या हुआ है, जो पाकिस्तान के लिए फायदेमंद बन गया? आइये जानते हैं...

ट्रंप के फिर शासन में आने के बाद कैसे बढ़े अमेरिका-पाकिस्तान के रिश्ते?

बीते करीब डेढ़ दशक से पाकिस्तान की बढ़ती आतंकी गतिविधियों और उसके आतंकियों के पनाहगाह बनने की वजह से यह देश लगातार वैश्विक परिदृश्य में अलग-थलग पड़ा था। खासकर अमेरिका में राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल से लेकर डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल और फिर जो बाइडन के नेतृत्व वाली सरकार में भी पाकिस्तान हाशिए पर ही रहा। हालांकि, ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में अमेरिका और पाकिस्तान के संबंधों में एक बड़ा और आश्चर्यजनक बदलाव देखने को मिला है। बताया जाता है कि रिश्तों में आई इस अप्रत्याशित गर्माहट के पीछे पाकिस्तान की कूटनीति, भारी लॉबिंग और ट्रंप के साथ किए गए व्यापारिक सौदों का बड़ा हाथ रहा है।

1. वॉशिंगटन में भारी लॉबिंग और ट्रंप के करीबियों की नियुक्ति

डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका की सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान ने अमेरिकी नीतियों को अपने पक्ष में करने के लिए करोड़ों डॉलर खर्च किए हैं। अप्रैल-मई 2025 के बीच वॉशिंगटन में लॉबिंग पर पाकिस्तान ने भारत के मुकाबले तीन गुना अधिक पैसा खर्च किया। पाकिस्तान ने अपनी लॉबिंग के लिए ट्रंप के पूर्व बॉडीगार्ड कीथ शिलर और ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के पूर्व अधिकारी जॉर्ज सोरियल जैसी ट्रंप की बेहद करीबी हस्तियों को काम पर रखा।

2. व्यक्तिगत चापलूसी और नोबेल पुरस्कार का नामांकन

पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख असीम मुनीर ने ट्रंप को खुश करने के लिए उनकी जमकर प्रशंसा की कूटनीति अपनाई। मई 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष को रोकने का पूरा श्रेय ट्रंप को दिया गया और पाकिस्तान ने उन्हें वैश्विक शांतिदूत बताते हुए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित कर दिया। इसके जवाब में ट्रंप ने भी मुनीर को एक महान व्यक्ति कहना शुरू कर दिया। जून 2025 में ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मुनीर के साथ एक विशेष निजी लंच भी किया, जो पाकिस्तानी कूटनीति के लिए अहम पड़ाव रही। बताया जाता है कि इस लंच से ठीक पहले डोनाल्ड ट्रंप कनाडा में जी20 सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी भारत लौटने से पहले व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया था। हालांकि, पीएम मोदी ने इस आमंत्रण को ठुकराते हुए अपने पूर्व के कार्यक्रम को महत्व देने की बात कही।

3. ट्रंप परिवार के साथ व्यापारिक और क्रिप्टो सौदे

कूटनीति के साथ-साथ पाकिस्तान ने ट्रंप को लुभाने के लिए बड़े व्यापारिक प्रस्ताव भी दिए। पाकिस्तान ने ट्रंप परिवार की क्रिप्टो कंपनी- वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल के साथ साझेदारी की पेशकश की और अमेरिका के सामने 50 करोड़ डॉलर का अहम खनिजों के खनन का समझौता पेश किया। इसके अलावा, पाकिस्तान ने न्यूयॉर्क में अपने बंद पड़े रूजवेल्ट होटल को फिर से विकसित करने का सौदा भी ट्रंप के एक करीबी स्टीव विटकॉफ के साथ किया।

4. अपने कृषि क्षेत्र को कुर्बान करने में भी गुरेज नहीं

इस लॉबिंग और कूटनीतिक प्रयासों का सीधा आर्थिक फायदा पाकिस्तान को मिला। ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तानी सामानों पर लगने वाले टैरिफ को घटाकर 19: कर दिया, जो प्रमुख एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम दरों में से एक है, जबकि इसके ठीक उलट भारत के टैरिफ को बढ़ाकर 50: कर दिया गया। पाकिस्तान ने इसके बदले अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार भी खोल दिए।

5. अपने ही पाले आतंकियों को सौंपकर नजर में आया

अमेरिका की नजर में पाकिस्तान की अहमियत तब और बढ़ गई जब पाकिस्तान ने 2021 के काबुल एयरपोर्ट (एबी गेट) हमले के एक कथित साजिशकर्ता (आईएसआईएस आतंकी) को पकड़कर अमेरिका को सौंप दिया। ट्रंप ने इसके लिए कांग्रेस में खुले तौर पर पाकिस्तान को धन्यवाद दिया।

दूसरी तरफ इसी पाकिस्तान में 2011 में ओसामा बिन-लादेन छिपा हुआ था। जिसे अमेरिकी सैनिकों ने पाकिस्तान में घुसकर मारा था। इसके अलावा लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक हाफिज सईद, जो कि अमेरिका-संयुक्त राष्ट्र की तरफ से घोषित आतंकी है, वह भी पाकिस्तान में ही छिपा हुआ है। इसी तरह हिज्बुल मुजाहिद्दीन का सैयद सलाउद्दीन, डी-गैंग का सरगना दाऊद इब्राहिम, और अन्य कई नाम, जिन्हें अमेरिका वांछित आतंकी घोषित कर चुका है, वह भी लगातार पाकिस्तान में छिपे हैं, लेकिन ट्रंप ने इसे पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है।

क्या अमेरिकी फायदे के लिए पाकिस्तान फिर मोहरा बना?

अमेरिका ऐतिहासिक रूप से और वर्तमान समय में भी अपने भू-राजनीतिक और सुरक्षा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल करता रहा है।

1980 का दशक : अमेरिका ने अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ लड़ने वाले मुजाहिदीन को पैसे और हथियार मुहैया कराने के लिए पाकिस्तान का भरपूर इस्तेमाल किया था।

9ध्11 के बाद का युद्धरू 2001 के हमलों के बाद श्आतंकवाद के खिलाफ युद्धश के नाम पर भी अमेरिका ने पाकिस्तान को अपना एक प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी बनाकर अफगानिस्तान में अपने ऑपरेशन्स के लिए उसका इस्तेमाल किया। हालांकि, बाद में ओसामा बिन-लादेन का पनाहगार पाकिस्तान ही निकला था।

और अब ट्रंप का दौररू हाल ही में खबर आई कि अमेरिका-ईरान के बीच जो युद्ध विराम हुआ, इसमें पाकिस्तान से ज्यादा खुद ट्रंप प्रशासन की भूमिका रही। द फाइनेंशियल टाइम्स और न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध से छुटकारा पाना चाहते थे। इसलिए उन्होंने पाकिस्तान पर ईरान को युद्धविराम के लिए मनाने का दबाव बनाया।

बाद में जब ईरान ने अमेरिका की 15-सूत्रीय शर्तों को मानने से इनकार कर दिया, तो ट्रंप ने ईरान की 10-सूत्रीय मांगों पर ही विचार करने की हामी भर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, इसे लेकर पाकिस्तान को युद्ध विराम से जुड़ा एक संदेश भेजा गया, जिसे व्हाइट हाउस से मंजूरी मिली थी। इसी युद्ध विराम के संदेश को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जस का तस कॉपी-पेस्ट कर दिया, जिससे यह खुलासा हो गया कि युद्ध विराम का संदेश उन्हें किसी और जरिए से आया था।

ईरान में थमी जंग, अंधे के हाथ बटेर?, सोशल मीडिया पर पाक के पासपोर्ट का जिक्र, यूजर्स बता रहे शांति के अनुभव

ईरान-अमेरिका युद्ध विराम के बाद पाकिस्तान में इसका श्रेय लेने की होड़ मच गई है। राजनीतिक नेतृत्व से लेकर आम लोग तक सोशल मीडिया पर खुद को शांति समर्थक देश के रूप में पेश करने में जुटे हैं। हालांकि, आतंकवाद के मुद्दे पर पहले कई बार आलोचना झेल चुका पाकिस्तान अब अपनी छवि सुधारने के लिए सोशल मीडिया ट्रेंड्स का सहारा लेता नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के श्ड्राफ्ट ट्वीटश को लेकर विवाद के बाद अब आम लोग भी कॉपी-पेस्ट ट्वीट्स करने लगे हैं, जिनमें अलग-अलग देशों में जाने या समर्थन जताने जैसे संदेश साझा किए जा रहे हैं।

पाकिस्तानियों के इस कॉपी-पेस्ट ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर उनका जमकर मजाक उड़ाया जा रहा है। लोग तंज कस रहे हैं कि जिनके पास ट्रेन का टिकट खरीदने तक के पैसे नहीं हैं, वे अब विदेश जाने की बातें कर रहे हैं। सबसे ज्यादा ट्रोलिंग इस बात को लेकर हो रही है कि इन ट्वीट्स में पाकिस्तानी खुद को पीसमेकर यानी शांति स्थापित करने वाला बता रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर वो कौन सा ट्वीट है, जिसे बड़ी संख्या में पाकिस्तानी यूजर्स कॉपी-पेस्ट कर रहे हैंश

एक यूजर ने लिखा है कि आज से पाकिस्तानी जहां भी जाएंगे, गर्व से अपना सिर ऊंचा करेंगे। पाकिस्तानी पासपोर्ट, चाहे जहां भी जाए, हर आव्रजन लाइन में, हर देश में, हर मीडिया में, अब किसी अज्ञात या गुमनाम देश के नाम से नहीं, बल्कि एक प्रतिष्ठित, सशक्त और सम्मानित राष्ट्र के रूप में देखा जाएगा।

इस वायरल कॉपी-पेस्ट ट्रेंड में एक जैसा मैसेज शेयर किया जा रहा है। ट्वीट में लिखा है-"अभी कनाडाध्मेक्सिको एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। जैसे ही इमिग्रेशन पर मैंने अपना पाकिस्तानी पासपोर्ट दिया, ऑफिसर ने मुस्कुराकर कहा कि आप ग्लोबल पीसमेकर हैं, हमें आप पर गर्व है। इसने मेरा दिन बना दिया।" अब बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक इसी कंटेंट को कॉपी-पेस्ट कर रहे हैं, जिसमें सिर्फ देश का नाम बदल दिया जा रहा है, जबकि बाकी पूरा मैसेज जस का तस रखा जा रहा है। एक ने तो कॉपी-पेस्ट करते समय भारत का नाम लिख दिया।

इससे पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के ट्वीट को लेकर भी विवाद खड़ा हो चुका है। ईरान-अमेरिका तनाव और युद्ध विराम के संदर्भ में किए गए उनके पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाए थे।

इमरान खान की बहनों पर आतंकवाद का केस, आदियाला जेल से जुड़े मामले में 1400 अन्य भी नामजद

पाकिस्तान के रावलपिंडी में आदियाला रोड पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की

बहनों, कई सांसदों और करीब 1,400 अज्ञात लोगों के खिलाफ आतंकवाद निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एफआईआर बुधवार को आदियाला चेकपोस्ट के प्रभारी सब-इंस्पेक्टर की शिकायत पर दर्ज की गई।

पुलिस ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शनकारियों ने कानून-व्यवस्था को चुनौती दी, पथराव किया और पुलिस पर हमला किया, जिससे कम से कम नौ पुलिसकर्मी घायल हो गए। एफआईआर में हत्या के प्रयास और सरकारी काम में बाधा डालने जैसी गंभीर धाराएं भी शामिल की गई हैं।

क्या है मामला?

दरअसल, इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) ने अदियाला जेल में बंद अपने नेता से मुलाकात पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आह्वान किया था। हालांकि, प्रशासन ने पूरे जिले में धारा 144 लागू कर दी थी, जिसके तहत 15 दिनों के लिए किसी भी तरह के सार्वजनिक जमावड़े पर रोक लगा दी गई।

कड़े प्रतिबंधों के बीच पुलिस ने जेल के बाहर प्रदर्शन कर रहे पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। इनमें इमरान खान की बहनें नूरीन नियाजी और उज्मा खानम भी शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि मौके पर 41 संदिग्धों को पकड़ा गया था, लेकिन वे बाद में फरार हो गए, जबकि कई अन्य लोग भी घटनास्थल से भाग निकले।

एफआईआर में क्या आया सामने?

एफआईआर में यह भी उल्लेख किया गया है कि पथराव और लाठियों के इस्तेमाल से सरकारी और निजी वाहनों को नुकसान पहुंचा। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर अशांति फैलाने की कोशिश की, ताकि पंजाब की प्रांतीय सरकार पर दबाव बनाया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकर ने की आलोचना

वहीं, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इस कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। संगठन ने इसे अवैध करार देते हुए कहा कि यह पाकिस्तान में शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार को दबाने का एक और उदाहरण है।

भारत में बढ़ रहा रक्षा बजट, IMF का अनुमान, घरेलू उत्पादन और आर्थिक विकास में होगी मजबूती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के रक्षा क्षेत्र में बढ़ते स्वदेशी उत्पादन को देश की आर्थिक वृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण सकारात्मक कदम बताया है। आईएमएफ के एक हालिया विश्लेषण के अनुसार, जब सैन्य खर्च स्थानीय उद्योगों को समर्थन देता है, तो यह न केवल उत्पादन में बढ़ोतरी करता है बल्कि समग्र अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करता है। आईएमएफ के वैश्विक रक्षा रुझानों पर आधारित इस विश्लेषण में कहा गया है कि रक्षा क्षेत्र में होने वाली वृद्धि अल्पावधि में आर्थिक गतिविधियों को तेज कर सकती है। इससे उपभोग और निवेश दोनों में वृद्धि देखी जा सकती है, जो अर्थव्यवस्था के लिए एक शुभ संकेत है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब दुनिया भर में भू-राजनीतिक तनावों के बढ़ते माहौल के बीच रक्षा खर्च में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। हाल के वर्षों में करीब आधे देशों ने अपने रक्षा बजट में वृद्धि की है, जिसने शीत युद्ध के बाद देखी गई गिरावट को पलट दिया है। भारत के संदर्भ में आईएमएफ के निष्कर्ष स्पष्ट रूप से आर्थिक बढ़त की ओर इशारा करते हैं। आईएमएफ का मानना है कि जब रक्षा खर्च आयात पर निर्भर रहने के बजाय घरेलू उत्पादन पर आधारित होता है, तो इसके फायदे और भी अधिक हो जाते हैं। आईएमएफ ने कहा है कि रक्षा खर्च का मल्टीप्लायर औसतन 1 के करीब होता है, जिसका अर्थ है कि खर्च में की गई हर बढ़ोतरी मोटे तौर पर आर्थिक उत्पादन में वैसी ही बढ़ोतरी में बदल जाती है। हालांकि, यह प्रभाव देशों के बीच अलग-अलग होता है। जिन देशों की हथियारों के आयात पर निर्भरता अधिक होती है, उनमें रक्षा खर्च मल्टीप्लायर छोटे होते हैं, क्योंकि मांग का एक हिस्सा विदेशों में चला जाता है। यह अंतर भारत के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। भारत ने विदेशी हथियारों पर अपनी निर्भरता कम करने और एक मजबूत घरेलू रक्षा आधार स्थापित करने के प्रयासों को तेज किया है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।